শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 184 | गुवाहाटी | मंगलवार, 4 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कनाडा-चीन के बाद ट्रंप का नया शिकार बनेंगे 27 देश... पेज 2
खानापाड़ा में उद्योग मंत्री ने लिया एडवांटेज असम की तैयारियों का जायजा पेज 3
राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पेश पेज 5
राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा हेरफेर के आरोप ताइक्वांडो के प्रतियोगिता निदेशक बदले पेज 7

सीएम ने एडवांटेज असम 2.0 को आगे बढ़ाने के लिए पीएम से की मुलाकात

केंद्रीय मंत्री सिंधिया, पुरी, सीतारमण, गोयल, गडकरी, वैष्णव करेंगे सत्रों की अध्यक्षता

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स./एजे)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा दिल्ली में अपने व्यस्त कार्यक्रम में *बहुप्रतीक्षित एडवांटेज असम 2.0: निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन* को शामिल करने में कामयाब रहे हैं। पिछले दो दिनों से पांच फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार अभियान चला रहे शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में मौन अवधि की शुरुआत के साथ शिखर सम्मेलन पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रमुख सदस्यों के साथ मुलाकात की। कई बैठकों में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित अन्य के साथ विचार-विमर्श किया। शर्मा ने नामरूप में एक नए यूरिया संयंत्र की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसे उन्होंने राज्य के लिए *संभावित परिवर्तनकारी* बताया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शर्मा ने आगामी शिखर सम्मेलन पर उनके अमूल्य मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। शर्मा ने लिखा कि आगामी #एडवांटेजअसम2 शिखर सम्मेलन और मेगा झुमूर प्रदर्शन पर मुझे माननीय प्रधानमंत्री से बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोमवार को केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को गुवाहाटी में 25-26 फरवरी को होने वाले एडवांटेज असम - इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2.0 में *विकसित असम में आई-वे की भूमिका* विषय पर सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली में आज केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने एडवांटेज असम - इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2.0 में आई-वे की भूमिका पर सत्र की अध्यक्षता करने की सहमति दी है। यह सत्र असम में सूचना राजमार्गों के निर्माण की रणनीति बनाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने संसद भवन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की और उन्हें ऐतिहासिक बजट पेश करने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ के एडीजी रवि गांधी पहुंचे गुवाहाटी फ्रंटियर

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

गुवाहाटी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में उथल-पुथल के बाद से भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा को और चाक-चौबंद किया गया है। बीएसएफ पूर्वी कमान, कोलकाता के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने गुवाहाटी फ्रंटियर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त महानिदेशक रवि गांधी तीन दौरे पर हैं। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एडीजी ने अपनी यात्रा करे दौरान पश्चिम बंगाल के -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में कई स्थानों पर सरस्वती पूजा करने की नहीं दी अनुमति

हुगली (हि. स.)। त्रिवेणी कालितला गिरिश स्मृति संघ के फुटबॉल मैदान में सरस्वती पूजा का उद्घाटन केंद्रीय जहाज राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कॉलेजों में पुलिस पहरे के बीच सरस्वती पूजा हो रही है, जबकि कई अन्य स्थानों पर पूजा करने की अनुमति नहीं दी जा रही। इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह तो शर्मनाक बात है। इस सरकार के कार्यकाल में सब कुछ राजनीतिक -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : सीएम के ऑडियो क्लिप का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

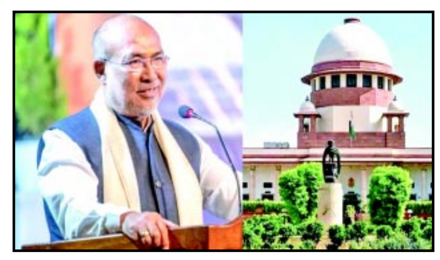

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले पर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। शीर्ष कोर्ट ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कथित लीक ऑडियो टेप पर सीएफएसएल से सरकारी फोरेंसिक लैब रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि सीएम बीरेन सिंह पर कुकी जनजाति के एक याचिकाकर्ता ने मणिपुर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर ऑडियो में मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के बयानों को रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें राज्य की जातीय हिंसा में उनकी संलिप्तता का संकेत दिया गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो नास्तिक हैं उनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भगवान में विश्वाश करना चाहिए इसी में उनका हित है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

दिल्ली में थमा चुनावी प्रचार का शोर 70 सीटों पर कल डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान खत्म हो गया। दिल्ली में मुख्य मुकाबला भाजपा, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच है। दिल्ली में 5 फरवरी को वोट डाले जाएंगे और नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। भाजपा पिछले 25 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। यही कारण है कि भगवा पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा रखी है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि वे लगातार तीन वर्षों में फिर से सत्ता हासिल करेंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में आने के लिए कड़ी मेहनत की। 2013 तक 15 साल तक राजधानी पर राज करने वाली कांग्रेस ने दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए कई शो किए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चुनाव प्रचार भले ही बंद हो गया हो -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट में महाकुंभ हादसे से जुड़ी याचिका खारिज

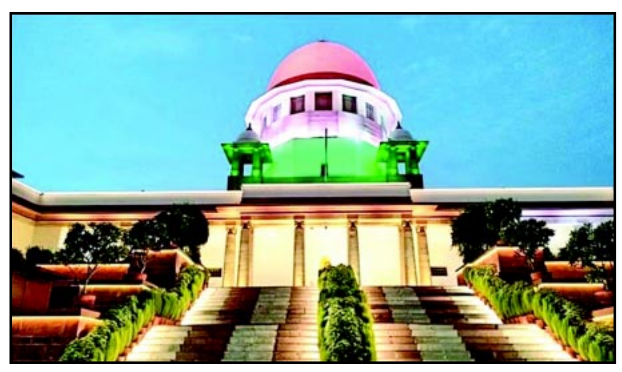

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज के महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट दिशा-निर्देश नियमों के क्रियान्वयन की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस बयान पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में पहले ही याचिका दायर की जा चुकी है। कोर्ट ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने को कहा। दरअसल, 29 जनवरी को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 की मौत हो गई थी और 60 अन्य लोग घायल हो गए थे। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने वकील विशाल तिवारी की जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिका में भगदड़ की घटनाओं को रोकने और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत समानता व जीवन के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की इन दलीलों पर गौर किया कि न्यायिक जांच शुरू की गई है। याचिका में केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाते हुए केंद्र तथा राज्य सरकारों को महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि महाकुंभ जैसे आयोजनों में वीआईपी मूवमेंट को सीमित किया जाए और ज्यादा से ज्यादा जगह आम आदमी के लिए रखी जाए। सभी राज्यों को सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

फिर दहला सीरिया, कार विस्फोट में 19 लोगों की मौत, कई जख्मी

डमस्कस। सीरिया के एक उत्तरी शहर के बाहरी इलाके में सोमवार को भीषण बम धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग जख्मी हो गए, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ये -शेष पृष्ठ दो पर

एक बार फिर चर्चा में आरजी कर अस्पताल

अब सरकारी क्वार्टर में फंदे से झूलता मिला छात्रा का शव

बैरकपुर। जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले के बाद कोलकाता का आरजी कर मेडिकल कॉलेज एक बार फिर चर्चा में है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की द्वितीय वर्ष की छात्रा का शव अस्पताल में उसके क्वार्टर के एक कमरे लटका मिला है। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि छात्रा आइवी प्रसाद कमारहाटी ईएसआई अस्पताल के -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार के लिए रेलवे ने खोला पिटारा 90 हजार करोड़ का होगा निवेश

नयागांव। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड मुख्यालय तथा सोनपुर डीआरएम कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे बजट 2025-26 पर संवाद किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे को रिकार्ड 2,52,200 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है, जिससे रेलवे के बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक सुधार होगा। रेल मंत्री ने बिहार को मिले बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यूपीए शासन (2004-2014) के दौरान जहां हर साल औसतन 1,132 करोड़ मिलते थे। वहीं, मोदी सरकार के कार्यकाल में यह राशि बढ़कर 10,066 करोड़ हो गई है, जो पिछले शासन की तुलना में 9 गुना अधिक है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बिहार में रेलवे परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। 86,458 करोड़ की लागत से 5,346 किमी नई रेल लाइन, दोहरीकरण और आमान परिवर्तन की 57 परियोजनाएं प्रगति -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी का राजनीतिक झूठ राष्ट्र के लिए नुकसानदायक : जयशंकर

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी की टिप्पणी को झूठ करार देते हुए कहा है कि उनकी राजनीतिक टिप्पणी विदेश में राष्ट्र को नुकसान पहुंचाती है। जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण के बारे में उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर चर्चा नहीं की गई। यह सामान्य ज्ञान है कि प्रधानमंत्री इस तरह के आयोजनों में शामिल नहीं होते हैं। वास्तव में भारत का प्रतिनिधित्व आम तौर पर विशेष दूत करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जानबूझकर दिसंबर-2024 में उनकी अमेरिकी यात्रा के बारे में -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ के तीसरे अमृत स्नान में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (हि.स.)। पंचाक्षरी मंत्र की अनुगूंज, मधुर भजन स्वर लहरी, हर-हर गंगे के जयघोष के मध्य कुंभ के तीसरे अमृत (शाही) स्नान बंसत पंचमी पर्व पर सोमवार को अखाड़ों और नागा संन्यासियों की अवधूती शान से संगम पर सनातनी आस्था का वैभव मुखर हो उठा। उमंग-उत्साह के बीच बैरागी अखाड़ों के वैराग्य का रंग और नागा संन्यासियों का आकर्षण अलग अलौकिक आध्यात्म की अनुभूति करा रहा था। महाकुंभ के अंतिम एवं तीसरे अमृत स्नान के मौके पर प्रयागराज में करोड़ों श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। देश के कोने-कोने से यहां पहुंचे अलग-अलग वेशभूषा, बोलचाल, रंग-ढंग के लोगों ने भावनात्मक एकता का शानदार परिचय दिया। बसंत पंचमी के दौरान प्रयागराज की सर्दी श्रद्धालुओं की आस्था के आड़े न आ सकी। आधी रात से संगम में श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगाने के लिए जुटने लगे थे। ये सिलसिला भोर से लेकर दिनभर चला और अभी भी जारी है। मेला प्रशासन ने बताया कि 02 फरवरी की रात्रि से बसंत पंचमी के स्नान मुहूर्त आरंभ हो गया। इस दौरान 40 घाटों पर शाम 06 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके थे। अभी रात्रि तक स्नान जारी रहेगा। श्रद्धालु लगातार स्नान कर रहे हैं। तीसरे अमृत स्नान पर अखाड़ों के साधु-संत निर्धारित क्रम एवं समय के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

36 घंटों में 200 बार भूकंप के झटकों से दहला ग्रीस

एथेंस। ग्रीस के सेंटोरिनी द्वीप और उसके आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार से अब तक 200 से अधिक भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे शक्तिशाली झटका 4.6 तीव्रता का था। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन सरकार ने एहतियातन स्कूलों को बंद कर दिया है, बचाव दलों को तैनात किया है और निवासियों को विशेष सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। ग्रीस के जलवायु संकट और नागरिक सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार से लगातार छोटे-बड़े भूकंपों का सिलसिला जारी है। सबसे तेज झटका रविवार दोपहर 3:55 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 4.6 थी और केंद्र 14 किमी की गहराई पर स्थित था। इसके अलावा, 4.0 से अधिक तीव्रता वाले कई झटके और दर्जनों 3.0 -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जुजांग हिल्स इलाके से भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने लखीपुर थाना क्षेत्र में एक वाहन को रोककर बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शोसल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया है कि पुलिस ने 14 हजार संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त किए हैं। उन्होंने कहा कि जब्त की गई नशीली दवाओं का बाजार मूल्य 4.2 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने असम पुलिस की इस सफलता के लिए सराहना की। यह कार्रवाई *असम अगेंस्ट ड्रग्स* अभियान के तहत की गई।

कनाडा-चीन के बाद ट्रंप का नया शिकार बनेंगे 27 देश, बोले-

अब हम यूरोप को सिखाएंगे सबक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और चीन पर टैरिफ लगाने के बाद अब यूरोपीय संघ (ईयू) पर भी कड़े व्यापारिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका लंबे समय से व्यापार घाटे में है और अब वह इस असंतुलन को खत्म करेंगे। ट्रंप ने कहा कि हम यूरोपीय संघ पर भी टैरिफ लगाएंगे क्योंकि उन्होंने सालों से हमारा फायदा उठाया है। मैं तारीख नहीं बता रहा, लेकिन यह बहुत जल्द होगा। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका कुल 27 देशों के साथ व्यापार घाटे में है, जिसमें यूरोपीय संघ प्रमुख रूप से शामिल है। इससे पहले, ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और चीन पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क बढ़ाया था। उनका मानना है कि अमेरिका को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए यह जरूरी कदम है। ट्रंप ने कहा कि यूरोप हमारे साथ व्यापार करके आगे बढ़ रहा है, लेकिन हमें कोई लाभ नहीं मिल रहा। अब अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए यह कदम उठाना जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनके इस फैसले से अमेरिका में महंगाई बढ़ सकती है और आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देशों की सैन्य निर्भरता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यूरोप को अपनी सुरक्षा के लिए खुद खर्च करना चाहिए। वे अमेरिका के भरोसे कब तक रहेंगे? उन्होंने यूरोपीय देशों से अपने डिफेंस बजट बढ़ाने और अपने हथियार खुद खरीदने का आग्रह किया। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अगर अमेरिका व्यापार प्रतिबंध लगाता है, तो वे भी जवाबी कदम उठाएंगे। ट्रंप प्रशासन ने साउथ अफ्रीका को मिलने वाली अमेरिकी फंडिंग पर भी रोक लगा दी है। ट्रंप का कहना है कि इस देश में एक खास वर्ग के साथ गलत व्यवहार हो रहा है, जब तक इसकी जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक कोई फंडिंग नहीं दी जाएगी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी ट्रंप के इस एजेंडे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका की तरह ही यूरोप को भी एक अभियान चलाना चाहिए मेक यूरोप ग्रेट अगेन।

अश्लील वीडियो बनाने के आरोप में बांग्लादेशी महिला सहित तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी पुलिस ने अश्लील सामग्री के निर्माण में संलिप्तता के आरोपों के बाद शहर के एक होटल से हाटीगांव के दो युवकों को एक बांग्लादेशी महिला के साथ गिरफ्तार किया। दिसपुर पुलिस ने इन व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया, हिरासत में लिए गए युवकों की पहचान सोफिकुल हक और जहांगीर आलम के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला बिना वैध वीजा के अवैध रूप से असम में घुसी थी। उसे फिलहाल दिसपुर पुलिस स्टेशन में हिरासत में रखा गया है, जबकि दोनों युवकों से हाटीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। दिसपुर के लास्ट गेट के पास स्थित होटल आदित्य में ये गिरफ्तारियां की गईं। सूत्रों से पता चला है कि 1 फरवरी को कमरे 101, 102 और 105 को दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने बुक किया था। बुकिंग के दौरान मिन अख्तर और एक आरोपी ने कथित तौर पर खुद को कपल बताया था। अधिकारी अब कथित गतिविधियों की सीमा और किसी व्यापक नेटवर्क से संभावित संबंधों की जांच कर रहे हैं।

पीएम मोदी का मेक इन इंडिया विचार अच्छा था, लेकिन फेल रहे : राहुल

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। भाजपा के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। वहीं, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी को बोलने का मौका दिया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने धन्यवाद कहा और कैमरे के लिए डबल थैंक्यू भी बोला। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं था। वे सोच रहे थे कि अगर इंडिया ब्लॉक की सरकार होती, तो राष्ट्रपति का अभिभाषण कैसा होता। इसमें बेरोजगारी का कोई जिक्र नहीं किया गया। ना तो यूपीए और ना ही एनडीए ने युवाओं के रोजगार के सवाल पर स्पष्ट जवाब दिया। प्रधानमंत्री के *मेक इन इंडिया* के विचार को राहुल गांधी ने अच्छा बताया, लेकिन कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कोई खास सफलता नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि वे प्रधानमंत्री पर आरोप नहीं लगा रहे, क्योंकि पीएम ने प्रयास किए, विचार सही था, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में मैन्युफैक्चरिंग 60 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने मेक इन इंडिया पर बात करते हुए एक फोन दिखाया और कहा कि भले ही हम कहें कि यह भारत में बना है, लेकिन इसके अधिकांश पार्ट्स चीन से आए हैं और यहां असेंबल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने कंजम्प्शन पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण असमानता बढ़ी है। राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और हम पेट्रोलियम से बैटरी और परमाणु ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पिछली बार जब क्रांति हुई थी, तो भारत सरकार ने कम्प्यूटर क्रांति को पहचाना और उस पर ध्यान दिया। आज उसका परिणाम हम देख रहे हैं। लोग हंसते थे जब कम्प्यूटर आया था। वाजपेयी जी का भी मैं सम्मान करता हूं, लेकिन वो भी इसके खिलाफ बोलते थे। राहुल गांधी ने यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया और कहा कि वहां इलेक्ट्रिक मोटर और इंजन बनाए जा रहे हैं।

No.DPRD/BTC/(6th ASFC)-322/2025/15 *Dated Kokrajhar the 1st Feb., 2025*

PRESS NOTICE

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for 1 (one) No. of work under Devolution Grant of 6th ASFC (1st installment) for the year 2023-24 during 2024-25 for an amounting of Rs. 49,99,900.00 (Rupees forty-nine lakh ninety-nine thousand nine hundred) only for the work from the registered contractors of Class-II & Class-I (A, B & C) category of Assam PWD (Roads) BTC.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of work	Amount
1	Kachugaon	Construction of road from Pokihaga Wooden Bridge to Letumosha (Phulkumari) Bundh (Const. of RCC box culvert of size 3m x 3m-5 cells	Rs. 49,99,900.00

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the office of the undersigned during office hours. It is to be noted that the only BTC Registered Firms/ Suppliers/ Contractor can only participate in the e-tendering process.

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/1407

No.DPRD/BTC/(6th ASFC)-321/2025/15 *Dated Kokrajhar the 1st Feb., 2025*

PRESS NOTICE

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for 1 (one) No. of work under Devolution Grant of 6th ASFC (1st installment) for the year 2023-24 during 2024-25 for an amounting of Rs. 49,99,900.00 (Rupees forty-nine lakh ninety-nine thousand nine hundred) only for the work from the registered contractors of Class-II & Class-I (A, B & C) category of Assam PWD (Roads) BTC.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of work	Amount
1	Kachugaon	Construction of road from Reserve & Riphu Boundary (Sapkata) to Kashiabari via Dhanoghat including 2 (Two) nos of RCC Box culvert 2x2,1 Cell	Rs. 49,99,000.00

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the office of the undersigned during office hours. It is to be noted that the only BTC Registered Firms/ Suppliers/ Contractor can only participate in the e-tendering process.

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/1408

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने एडवांटेज असम...

असम में नई यूरिया सुविधा की घोषणा के लिए भी उन्हें धन्यवाद् दिया और आगामी एडवांटेज असम 2.0 पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने समापन सत्र में शामिल होने की सहमति दी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी मुलाकात की, जिन्होंने एडवांटेज असम 2.0 में हाइड्रोकार्बन और ऊर्जा पर सत्र की अध्यक्षता करने का निमंत्रण स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि असम की ऊर्जा क्षमता को सतत विकास के साथ कैसे उपयोग में लाया जाए, इस पर चर्चा हुई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर निर्यात को असम की वृद्धि का इंजन बनाने पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने इस विषय पर आगामी सम्मेलन में चर्चा करने की सहमति दी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी भेंट की और असम में एक लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने एडवांटेज असम 2.0 में असम को भारत और आसियान देशों के बीच सेतु बनाने पर अपने विचार साझा करने की सहमति दी। शाम को मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर असम के आईटी और सेमीकंडक्टर क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने एडवांटेज असम 2.0 में असम को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने पर अपना दृष्टिकोण साझा करने की सहमति दी।

भारत-बांग्लादेश सीमा...

कूचबिहार जिले में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ संचालनात्मक तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। कूचबिहार स्थित सेक्टर मुख्यालय में दौरे के पहले दिन, रवि गांधी को गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) संजय गौड़ और वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों द्वारा ब्रीफ किया गया। बीएसएफ के एडीजी ने कूचबिहार सेक्टर मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ सीमा चौकियों (बीओपी) का भी दौरा किया। उन्होंने क्षेत्रीय कमांडरों के साथ बातचीत की, सीमा प्रभुत्व योजना की पूरी तरह से समीक्षा की और किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए ऑपरेशनल तैयारियों का मूल्यांकन किया। अधिकारी ने बताया कि ब्रीफिंग में बांग्लादेश में चल रहे अशांति के कारण उत्पन्न हो रही सुरक्षा चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया और इन समस्याओं से निपटने के लिए उठाए जा रहे आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। इन चर्चाओं में किसी भी प्रकार के घुसपैठ को रोकने और सीमा पार अपराधों को नियंत्रित करने की रणनीतियों को प्रमुखता दी गई, ताकि सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बीएसएफ के एडीजी ने सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने, स्थानीय आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सीमा अपराध मुक्त रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सीमा सुरक्षा में बीएसएफ कर्मियों की निरंतर मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने गुवाहाटी फ्रंटियर की भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपराधों को नियंत्रित करने की पहलों की सराहना की और बीएसएफ के जवानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा की प्रभावी और कुशल सुरक्षा की सराहना की। उन्होंने सभी कर्मियों से सतर्क रहने और भारत-बांग्लादेश सीमा की अखंडता बनाए रखने में उनके आदर्श कार्य को जारी रखने का आह्वान किया।

बंगाल में कई ...

लाभ के लिए किया जा रहा है। यह महज वोट की राजनीति है। केंद्रीय मंत्री ने बजट को लेकर कहा कि यह बजट मुख्य रूप से मध्यवर्गीय लोगों के हित में है और इससे बंगाल के मध्यम वर्ग को लाभ होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के नाम बदलकर राज्य सरकार उन्हें अपने नाम से चला रही है। कार्यक्रम में क्लब की ओर से मंत्री का पारंपरिक स्वागत किया गया। बीते दिनों आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंत्री ने अपने हाथों से पुरस्कार प्रदान किए।

मणिपुर हिंसा : सीएम ...

सीएफएसएल रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाना है। लाइव लॉ के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट द्वारा दायर एक रिट याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें ऑडियो टेप की स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। सुनवाई की शुरुआत में न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार ने पूछा कि क्या उन्हें सुनवाई से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि मणिपुर के मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित रात्रिभोज में वे शामिल हुए थे, जब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि न्यायमूर्ति कुमार को खुद को अलग करने की आवश्यकता नहीं है। भूषण ने दो न्यायाधीशों की पीठ से कहा कि कोई समस्या नहीं, बिल्कुल भी नहीं। इस पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल थे। भूषण याचिकाकर्ता कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गैर-लाभकारी ट्रूथ लैब्स ने पुष्टि की है कि 93 प्रतिशत ऑडियो टेप सीएम बीरेन सिंह की आवाज से मेल खाते हैं। 2007 में स्थापित ट्रूथ लैब्स भारत की पहली गैर-सरकारी पूर्ण-विकसित फोरेंसिक लैब है।

दिल्ली में थमा चुनावी...

लेकिन दिल्ली की जनता ने जो फैसला लिया है उसकी झलक 5 फरवरी को दिखेगी। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस बार विधानसभा चुनाव के लिए बहुत मेहनत की है। दिल्ली भाजपा को पीएम मोदी के नाम और पहचान का फायदा मिला है। पीएम मोदी की वजह से लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया है। उन्होंने कहा कि जनता का मूड बता रहा है कि 5 फरवरी को दिल्ली में कमल खिलने जा रहा है। मैं भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। सचदेवा ने कहा कि पीएम मोदी ने दिल्ली के लिए काफी समय दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हमारी पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने समय-समय पर बैठकें कीं। सभी बैठकों को जोड़ें तो 650 से ज्यादा बैठकें हमारी पार्टी के नेताओं ने की हैं, जिनमें कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली की जनता 5 फरवरी को ऐसी सरकार बनाने के लिए वोट करेगी जो डबल इंजन से चलेगी. दिल्ली को लड़ने-झगड़ने वाली सरकार नहीं चाहिए। दिल्ली की जनता *खेलो इंडिया* कहने वाले को वोट देगी, न कि *पीलो इंडिया* कहने वाले को। भाजपा सांसद ने कहा कि दिल्ली की जनता *देश नहीं झुकने दूंगा* कहने वाले को वोट देगी, *दारू नहीं रुकने दूंगा* कहने वाले को नहीं। 5 फरवरी को दिल्ली के मेरे भाई-बहन 5 साल के लिए भाजपा की सरकार बनाने के लिए निकलेंगे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, 1.56 करोड़ मतदाता 5 फरवरी को 13,766 मतदान केंद्रों पर मतदान करने के पात्र हैं। इनमें 83.76 लाख पुरुष, 72.36 लाख महिलाएं और 1,267 तीसरे लिंग के मतदाता हैं। मतदान को सुलभ बनाने के प्रयास में, विकलांग व्यक्तियों के लिए 733 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग लोगों के लिए घर पर मतदान सुविधा के तहत, 7,553 पात्र मतदाताओं में से 6,980 पहले ही अपना मतदान कर चुके हैं। 24 जनवरी से शुरू हुई यह सेवा 4 फरवरी तक जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में ...

संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने तथा आपात स्थिति में अपने-अपने निवासियों की सहायता के लिए प्रयागराज में सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। जनहित याचिका में श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में आसानी से पहुंचने में मदद के लिए कई भाषाओं में साइनेज और अनाउंसमेंट कराने की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उपस्थित लोगों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में बताने के लिए एसएमएस और व्हाट्सएप संदेशों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

अब सरकारी क्वार्टर ...

एक क्वार्टर में अपनी मां के साथ रहती थी। उसकी मां भी डॉक्टर हैं। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को जब मां ने छात्रा को फोन किया तो उसका फोन नहीं उठा। इसके बाद जब मां क्वार्टर पहुंची तो यहां एक कमरे में उसका शव लटका मिला। पुलिस ने राजकीय सागर दत्ता मेडिकल कॉलेज में शव का पोस्टमार्टम कराया। नौ अगस्त 2024 को जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना के बाद आरजी कर अस्पताल में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे। जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में पुलिस ने नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को पकड़ा था। उसे सियालदह कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने संजय रॉय पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया था। सियालदह कोर्ट के जज अनिरबन दास ने कहा कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है। पीड़ित परिवार को उसकी मौत के लिए 10 लाख रुपए मुआवजा और 7 लाख रुपए अतिरिक्त दिया जाना चाहिए।

बिहार के लिए रेलवे ...

पर है। 3,164 करोड़ से 98 अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी है। वहीं 90,000 करोड़ का कुल निवेश रेलवे के विभिन्न विकास कार्यों में होना है। 1,783 किमी में कवच सुरक्षा प्रणाली लगाने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। बिहार को नई ट्रेन सेवाओं की सौगात दी गई है। जिसमें 12 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन शामिल है। बिहटा से औरंगाबाद तक जाने वाली रेलवे लाइन के सर्वे का काम पूरा हो गया है। जल्द ही इसका डीपीआर बनाया जाएगा। डीपीआर तैयार होने के बाद रेलवे बोर्ड को प्रोजेक्ट भेज दिया जाएगा, वहां से स्वीकृति मिलने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा। ये बातें सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि नेऊरा-दनियांवा रेलवे लाइन का काम काफी जोर-शोर से चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सहरसा सबसे पहले होगा तैयारअमृत भारत योजना के तहत राज्य में 98 स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें सहरसा का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। 90 स्टेशनों का 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस योजना के तहत राज्य के छोटे-छोटे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

राहुल गांधी का राजनीतिक ...

एक झूठ बोला है। वे तत्कालीन बिडेन प्रशासन के विदेश मंत्री और एनएसए से मिलने गए थे। इसके अलावा एक बैठक भी थी। अपने प्रवास के दौरान नए बनने जा रहे एनएसए ने उनसे मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने आज लोकसभा में कटाक्ष किया था कि अमेरिका के साथ बातचीत करते समय हमें अपने विदेश मंत्री को प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के लिए नहीं भेजना चाहिए। ऐसा तभी संभव है जब हमारे पास मजबूत उत्पादन क्षमता हो। ऐसा होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति भारत आएंगे और हमारे प्रधानमंत्री को आमंत्रित करेंगे।

महाकुंभ के तीसरे अमृत...

गाजे-बाजे के साथ संगम तट की ओर प्रात: 4 बजे बड़े। साधु-संतों और नागा साधुओं की झलक देखने के लिए लाखों श्रद्धालु मार्ग में खड़े थे। साधु-संतों और नागाओं को देखते ही श्रद्धालुओं की भीड़ हर-हर महादेव का जयकारा जोर से लगाती रही। हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अखाड़ों ने अंतिम और तीसरा शाही स्नान किया। इस अखाड़े ने किया पहला स्नानवर्षों से चली आ रही परम्परा को इस बार भी दोहराया गया। महानिर्वाणी एवं शंभू पंचायती अटल अखाड़ा को स्नान का पहला अवसर मिला। ऐसे में आज सुबह 5 बजे पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी ने अमृत स्नान किया। इसके पीछे अब निरंजनी अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, जूना अखाड़ा, दशनाम आवाहन अखाड़ा और पंचाग्नि अखाड़ा, पंच निर्मोही, पंच दिगंबर, पंच निर्वाणी, अनी अखाड़ा, नया उदासीन अखाड़ा बड़ा उदासीन व अन्य अखाड़े अमृत स्नान कर रहे हैं। हेलिकाप्टर से पुष्पवर्षा, अभिभूत हुए संत, संन्यासी व श्रद्धालु महाकुंभ के अंतिम अमृत स्नान में संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। पुष्प वर्षा की शुरुआत सुबह 6.30 बजे से ही हो गई और सायं तक चलती रही, जब तक अखाड़ों का अमृत स्नान जारी रहा। गुलाब की पंखुड़ियों की आसमान से हो बारिश देख संगम तट पर मौजूद नागा संन्यासी, संत समाज और श्रद्धालु अभिभूत हो गए। हर तरफ जय श्री राम और हर हर महादेव का उद्घोष आरंभ हो गया। महाकुंभ के सभी तीनों अमृत स्नान पर अखाड़ों के संतों, श्रद्धालुओं और कल्पवासियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई है। महाकुंभ में पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले पूज्य साधु-संतों, धर्माचार्यों, सभी अखाड़ों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया और इसके द्वारा समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव की भावना को साझा करने की शुभकामनाएं दीं। ठंड पर भारी पड़ा आस्था का सैलाबगंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के पावन संगम पर लोगों ने शुभ-मुहूर्त के शुभारंभ से ही डुबकी लगानी शुरु कर दी थी। हल्के कोहरे तथा ठण्ड पर भी लोगों की आस्था का सैलाब भारी रहा। संगम क्षेत्र में रात्रि से ही आस्था और श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ने लगा। मौनी अमावस्या के दौरान हुए हादसे के बाद बसंत पंचमी पर हर श्रद्धालु में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। स्नान के बाद श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों के दान-पुण्य का कार्यक्रम जारी रहा। आस्था के जनसैलाब को दृष्टिगत रखते हुए मेला प्रशासन ने बड़ी ही चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था बनाए रखी। श्रृंग्वेरपुर से लेकर किला घाट तक गंगा, यमुना और संगम तट के दोनों तरफ 8 किमी में बनाए गए 40 सुगम घाटों पर खुले क्षेत्रों में लोगों ने स्नान किया। सुव्यवस्थित वेंडिंग जोन तथा सुगम यातायात व्यवस्था के प्रभाव से स्नानार्थियों का अवागमन व्यवस्थित एवं सुगम रहा। कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होने पाई। कम से कम पैदल दूरी पर चलकर श्रद्धालुओं ने स्नान किया। मेला क्षेत्र से किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिली। मेला प्रशासन पूरी तैयारी के साथ चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहा है। श्रद्धालुओं को विनम्रता के साथ मार्गदर्शन करते हुए सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध मौनी अमावस्या के स्नान के दौरान मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत के बाद तीसरे अमृत स्नान में मेला प्रशासन सर्तकता बरत रहा है। मेला प्रशासन ने तीसरे अमृत स्नान के लिए स्पेशल प्लान बनाया है। इसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए वनवे रूट की व्यवस्था की गयी। त्रिवेणी के घाटों पर अत्यधिक दबाव रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और बैरिकेड तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है। श्रद्धालुओं को संगम या अन्य घाटों तक पहुंचने में दिक्कत ना हो, इसके प्रबंध किए गए हैं। प्रभावी पेट्रोलिंग के लिए 15 मोटर साइकिल दस्ते तैनात किए गए हैं। प्रमुख चौराहों और डायवर्जन प्वाइंट्स के बैरियर पर सीएपीएफ और पीएसी का इंतजाम किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से वन वे रूट तैयार किया गया है। इसके अलावा पांटून पुलों पर मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने पाए, इसके भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। अब तक 37 करोड़ लगा चुके आस्था की डुबकी13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ मेले में सोमवार तक 37 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। सोमवार सांय 6 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

36 घंटों में 200 ...

तीव्रता के हल्के झटके भी रिकॉर्ड किए गए। हालांकि अभी तक किसी प्रकार की क्षति या किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। रविवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में सेंटोरिनी सहित आसपास के अमोर्गोस, अनाफी और आईओएस द्वीपों में स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया। सरकार ने होटल मालिकों और स्थानीय निवासियों को चेतावनी दी है कि वे अपने स्वीमिंग पूल को खाली कर दें, जिससे किसी बड़े भूकंप की स्थिति में पानी का भार इमारतों को अस्थिर न कर दे। बचाव कर्मियों ने खुले स्थानों में टेंट लगाने शुरू कर दिए हैं ताकि जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थान उपलब्ध हो सके। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का कहना है कि इन झटकों का सीधा संबंध सेंटोरिनी के ज्वालामुखी से नहीं है, जिसने इतिहास के सबसे बड़े विस्फोटों में से एक को जन्म दिया था। हालांकि, लगातार भूकंप के झटकों ने इस क्षेत्र में एक बड़े भूकंप की संभावना को बढ़ा दिया है। रविवार शाम को ग्रीस के प्रधानमंत्री कार्यालय में देश के सशस्त्र बलों के प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक बुलाई गई। भूकंप की तीव्रता को देखते हुए प्रशासन किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए तैयारी कर रहा है। सेंटोरिनी द्वीप पर 1600 ईसा पूर्व में हुए एक भीषण ज्वालामुखी विस्फोट ने पूरे द्वीप को तबाह कर दिया था। इस विस्फोट ने एक प्राचीन शहर को नष्ट कर दिया था और भूकंप व सुनामी उत्पन्न की थी, जिसके प्रभाव क्रेते द्वीप और मिस्र तक देखे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में 6.0 तीव्रता तक का भूकंप आ सकता है, लेकिन यह कब होगा, इस पर सटीक अनुमान लगाना कठिन है।

फिर दहला सीरिया...

धमाका मनबीज शहर के बाहरी इलाके में कृषि श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन के पास एक कार में हुआ। इस हादसे से चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर खून से लथपथ शव बिखर गए। अस्पताल कर्मचारी मोहम्मद अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विस्टफोट में 19 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 17 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। वहीं इनके अलावा अन्य 15 महिलाएं घायल हुई हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है। नागरिक सुरक्षा के उप निदेशक मुनीर मुस्तफा ने बताया कि मनबीज में यह एक महीने से भी कम समय में सातवां कार बम विस्फोट है। बताया जा रहा है कि जिस कार में विस्फोट हुआ था वो सड़क किनारे खड़ा थी। जब श्रमिकों को ले जा रहा वाहन कार के पास से गुजर रहा था उसी दौरान उसमें विस्फोट हो गया जिसमें 19 लोगों की जान चली गई। लगातार हो रहे इन हमलों से स्थानीय लोग भी डरे हुए हैं। बीते शनिवार को मनबिज में ही एक कार बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हुई थी, जबकी इस हादसे में 9 लोग घायल हुए थे। सीरिया में राष्ट्रपति बशर असद का पिछले साल दिसंबर में तख्ता पलट हो गया था। जिसके बाद वो देश छोड़कर भाग गए थे। उसके बाद भी पूर्वोत्तर अलेप्पो प्रांत के मनबीज में हिंसा की घटनाएं लगातार हो रही हैं। जहां तुर्किये समर्थित गुट (सीरियन नेशनल आर्मी) अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के साथ संघर्ष करते रहते हैं।

मणिपुर में नदियों, झीलों और जल निकायों का पुनरुद्धार किया जा रहा है : मुख्यमंत्री

इंफाल। इंफाल पश्चिम जिले के कांचीपुर के लीशांग हिडेन में विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सौंदर्यीकरण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जल निकायों का पुनर्विकास भी किया जा रहा है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि राज्य में कई नदियों, झीलों और जल निकायों का कायाकल्प किया जा रहा है ताकि उनके पारिस्थितिकी तंत्र और आसपास के पर्यावरण की रक्षा की जा सके। इंफाल पश्चिम जिले के कांचीपुर के लीशांग हिडेन में विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सौंदर्यीकरण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जल निकायों का पुनर्विकास भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम आद्रभूमि का संरक्षण और कायाकल्प कर रहे हैं। हम जीवित रहने के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं। हम इसकी देखभाल कर रहे हैं।

खानापाड़ा में उद्योग मंत्री ने लिया *एडवांटेज असम* की तैयारियों का जायजा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार द्वारा 25-26 फरवरी को आयोजित होने वाले निवेशक और अवसंरचना सम्मेलन *एडवांटेज असम 2.0* की तैयारियों का जायजा सोमवार को उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उपक्रम मंत्री बिमल बोरा ने लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य राज्य में औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार कर निवेशकों को आकर्षित करना है। मंत्री बोरा ने खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के खेल मैदान में प्रस्तावित मुख्य मंच सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उद्योग विभाग, लोक निर्माण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, असम विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी। उन्होंने सभागार, प्रदर्शनी हॉल, बी2बी और बी2जी बैठक कक्ष, मीडिया सुविधाओं और पार्किंग व्यवस्था का

निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी को सरुसजाई खेल परिसर में *झूमैर बिनंदिनी* नामक झूमर नृत्य कार्यक्रम होगा, जिसमें करीब आठ हजार कलाकार प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति प्रस्तावित है। *एडवांटेज असम 2.0* के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी के साथ भूटान के प्रधानमंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन में पांच देश सहयोगी रहेंगे और 500 से अधिक निवेशकों के भाग लेने की उम्मीद है।

गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाली एनसीसी टुकड़ी ने राज्यपाल से भेंट की

श्री आचार्य ने दल की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज एनईआर निदेशालय के एनसीसी के लड़के और लड़कियों के कैडेटों से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि आरडीसी 2025 में कुल 179 सदस्यीय दल ने भाग लिया था, जिसमें से 89 असम से थे। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने राज्य और राष्ट्र को बहुत गौरव दिलाया। इस भागीदारी का एक मुख्य आकर्षण देश नामक गीत प्रस्तुति थी, जिसे दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में सर्वश्रेष्ठ गीत चुना गया। दल के प्रत्येक सदस्य को बधाई देते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने कहा कि इस राष्ट्रीय उत्सव में आपकी भागीदारी महज एक उपलब्धि नहीं है। यह आपके अटूट अनुशासन, अदम्य भावना और हमारे महान राष्ट्र को परिभाषित करने वाले आदर्शों के प्रति दृढ़ समर्पण का गहरा प्रमाण है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कर्तव्य पथ केवल एक औपचारिक मार्ग नहीं है। यह भारत की यात्रा का प्रतीक है, जो अनगिनत देशभक्तों के बलिदान और करोड़ों दिलों की आकांक्षाओं से। राज्यपाल ने कैडेटों से प्रशिक्षण, प्रदर्शन और अनुशासन में अपनी निष्ठा और उत्कृष्टता बनाए रखने का आग्रह किया। कर्तव्य पथ को गौरवान्वित करने वाले एनसीसी के कैडेटों के रूप में, आपको राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाना है। राष्ट्रीय कैडेट

कोर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने एनसीसी को देश का सबसे बड़ा स्वैच्छिक संगठन बताया, जो जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करके तथा युवाओं में नेतृत्व और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विकास में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो देश का भविष्य हैं। आयुक्त एवं राज्यपाल के सचिव एसएस समारोह में राज्यपाल मीनाक्षी सुंदरम, मेजर जनरल गगनदीप, एनसीसी गुवाहाटी के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एके बोरा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यभर में मची मां सरस्वती पूजा की धूम

गुवाहाटी (हिंस)। विद्यादायिनी मां सरस्वती पूजा की सोमवार को राज्यभर में धूम मची रही। बसंत पंचमी के अवसर पर सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो गई। इसके लिए राज्यभर में व्यापक तैयारियां की गई थी। पूजा के लिए विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को कई दिनों से सुसज्जित किया जा रहा था। सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों का मां सरस्वती पूजा स्थलों पर तांता लगा रहा। मां के चरणों में धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित कर ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति की प्रार्थना की गई। वहीं, छात्र-छात्राएं सुबह से ही सज-धजकर पारंपरिक वेशभूषा में शिक्षण संस्थानों में पहुंचते देखे गए। सनातन धर्म में बसंत पंचमी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन को मां सरस्वती को समर्पित किया जाता है। मान्यता है कि पूरी विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति की बुद्धि का विकास होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। इसी कारण घरों, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में मां सरस्वती की पूजा की जाती है। उल्लेखनीय है कि इस बार बसंत पंचमी की तिथि को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति बनी रही, लेकिन अधिकतर शिक्षण संस्थानों में सोमवार को मां सरस्वती की पूजा का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजा के दिन विशेष रूप से छात्राएं पारंपरिक परिधान में खुद को सुसज्जित करती हैं। लड़कियां आज भी मेखला-चादर, साड़ी तथा अन्य आकर्षक परिधानों में अपने अपने घरों से निकलीं। छोटे बच्चों से लेकर कॉलेज और विश्वविद्यालय की छात्राओं तक में सजने-संवरने की मानो होड़ सी लग गई। इस अवसर पर उनके मनमोहक परिधानों से वातावरण रमणीय हो गया। पूरे राज्य के साथ ही राजधानी गुवाहाटी में चप्पे-चप्पे पर सरस्वती पूजा का पंडाल सजा हुआ दिखा। भक्तिपूर्ण गीतों से पूरा शहर गुंजित होता रहा।

गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट की उपलब्धियां नागरिक सुरक्षा और जनकल्याण पर जोर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट ने शहरवासियों की जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को उजागर करने हेतु एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस कमिश्नर अंकुर जैन ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस ने इन उपलब्धियों को जनता के सहयोग से ही संभव बनाया है, पुलिस और जनता के समन्वित प्रयासों का ही यह परिणाम है। इस दौरान उन्होंने विस्तार से उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। फॉर्म 54 डिलीवरी : सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को 57 फॉर्म 54 दस्तावेज वितरित किए गए। पासपोर्ट और पुलिस सत्यापन : 1,673 पासपोर्ट सत्यापन और 2,389 पुलिस सत्यापन रिपोर्ट पूरी कर संबंधित व्यक्तियों को सौंपी गई। स्वच्छता और जनकल्याण पहल : स्वच्छता अभियान : शहर की सफाई बनाए रखने के लिए 47 सफाई अभियानों का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों और नगरिक समितियों की सक्रिय भागीदारी रही। ऑपरेशन क्लीन स्ट्रीट: सार्वजनिक सड़कों से 82 लावारिस वाहनों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया। जन शिकायत निवारण : पुलिस कमिश्नरेट के विशेष व्हाट्सएप नंबर पर कुल 653 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 185 पुलिस से संबंधित शिकायतों में 96 मामलों का समाधान कर शिकायतकर्ताओं को सूचित किया गया। शेष शिकायतें अन्य विभागों से संबंधित थीं। यातायात और सड़क सुरक्षा: सड़क सुरक्षा को लेकर जनता का भरपूर समर्थन मिला। नशे में वाहन चलाने के 94 मामलों में कानूनी कार्रवाई की गई। 28 लोग (जिसमें 7 नाबालिग शामिल) स्टंट बाइकिंग करते पकड़े गए, उनकी 23 मॉडिफाइड बाइक जब्त कर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की गई। अपराध रोकथाम और जांच: 169 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाया गया, जिन्हें उनके मालिकों को लौटाने का प्रयास जारी है। वाहन बरामदगी : 51 चोरी या लापता वाहन (टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर) बरामद किए गए। 185 लावारिस वाहनों की पहचान कर उन्हें सार्वजनिक स्थानों से हटाकर सुरक्षित जगह भेजा गया। नशे के खिलाफ जंग (एनडीपीएस मामले): 52 आरोपितों को मादक द्रव्य और मन : प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत गिरफ्तार किया गया। हेरोइन, गांजा, अवैध टैबलेट और कफ सिरप सहित कुल 6.75 करोड़ रुपए मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए गए। गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट ने नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देने के लिए प्रतिबद्धता जताई और अभियान जारी रखने की बात कही।

हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी की आलोचना की

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर चुनाव आयुक्तों के चयन में भारत के मुख्य न्यायाधीश की भागीदारी की कथित रूप से मांग करने के लिए निशाना साधा। कांग्रेस नेता की मांग को *विडंबनापूर्ण* बताते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान, नियुक्तियां केवल सत्तारूढ़ सरकार द्वारा बिना किसी पारदर्शिता के की जाती थीं। अगर कांग्रेस वास्तव में लोकतांत्रिक अखंडता में विश्वास करती थी, तो उन्होंने सत्ता के अपने दशकों में इन सुधारों को क्यों नहीं लागू किया? यह पाखंड उनकी राजनीतिक मुद्रा को उजागर करता है - वर्षों के अपारदर्शी शासन के बाद अब पारदर्शिता का उपदेश देना। भारत के लोगों को अब ऐसे दोहरे मानदंडों से गुमराह नहीं किया जा सकता। विश्वास की मांग करने से पहले जो उपदेश देते हैं, उसे खुद पर भी आजमाएं उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा की प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए महाराष्ट्र के मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के बारे में गंभीर चिंता जताने के तुरंत बाद आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाता पंजीकरण में असामान्य वृद्धि का दावा किया। रायबरेली के सांसद ने चुनाव आयुक्त चयन प्रक्रिया में हाल ही में हुए बदलावों की भी आलोचना की, खास तौर पर चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाने की। उन्होंने सवाल किया, अब इसमें सिर्फ प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मैं ही हैं। दो से एक। मेरे बैठक में शामिल होने का क्या मतलब है? उन्होंने सुझाव दिया कि नई व्यवस्था चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता को कमजोर करती है।

असम साहित्य सभा अध्यक्ष की विशेष पुरस्कार घोषणा

गुवाहाटी। असम साहित्य सभा के संविधान की धारा 7, 2018 असम साहित्य सभा रचनात्मक, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक साहित्यिक चिकित्सकों को प्रेरित करने के लिए है। सभा के अध्यक्ष एक विशेष पुरस्कार प्रदान करेंगे। नियमों के अनुसार, निम्न वर्ष 2023-25 के लिए अध्यक्ष होंगे। व्यक्तियों का चयन करने और *असम साहित्य सभा के अध्यक्ष के विशेष पुरस्कार* प्रदान करने का निर्णय लिए गए। निर्णय के अनुसार निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम एवं संबंधित पुस्तकों के नाम उल्लिखित हैं। जिसमें जृमयुर बोरा, सदाबहार असमिया (आलोचनात्मक साहित्य), जृभानी प्रसाद अधिकारी, ओह मेरी मधुर आवाज, जिशांतु कौशिक बरुवा, असम का प्रेम, शजरीधीरन शर्मा- असम में जात्रा अभिनय का इतिहास (शोधकर्ता, डॉ. सीमा बोरा कश्यप- (क) भाषा की मृत्यु यात्रा (निबंध), (ख) जृसिनमणि दास-- सोमदिरी नाई जीवन घात (उपन्यास) शामिल हैं।

पुलिस ने मणिपुर में उग्रवादी को गिरफ्तार किया

इंफाल। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी की पहचान 29 वर्षीय लेइहाओथाबाम नानाओ शर्मा के रूप में हुई है, जो *ग्रेटर इंफाल* क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों से जबरन वसूली करने में संलिप्त था। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी की पहचान 29 वर्षीय लेइहाओथाबाम नानाओ शर्मा के रूप में हुई है।

पूर्वोत्तर में रेलवे की बुनियादी संरचनाओं की परियोजनाओं के लिए 10,440 करोड़ रुपए आवंटित

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेलवे के लिए बजट 2025-26 में आवंटित धनराशि के संबंध में पूर्वोत्तर के मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत की। इस मौके पर पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) मुख्यालय, मालीगांव में आयोजित कार्यक्रम में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूसीरे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी और मुख्यालय के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित थे। रेल मंत्री ने बताया कि लगातार दूसरी बार भारतीय रेल के लिए बजट में 2.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल परिव्यय आवंटित किया गया है। बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में चल रही सभी परियोजनाओं की कार्य प्रगति बेहतर गति से आगे बढ़ रही है। भौगोलिक

दृष्टि से कठिन भू-भाग में स्थित होने के बावजूद, उक्त परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए 24×7 कार्य किया जा रहा है। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2014 से 1824 किमी नई पटरियों का निर्माण किया गया है, जो श्रीलंका के पूरे रेल नेटवर्क से काफी अधिक है। 2014 से पूर्वोत्तर राज्यों में 478 नए फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया। रेल मंत्री ने कहा कि पूसीरे में कवच के कार्यान्वयन के लिए कुल 1189 रूट किलोमीटर चिह्नित किए गए है। दोनों महाप्रबंधकों ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूसीरे के 92 स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा। पूसीरे के संपूर्ण रेल पटरियों का बिजलीकरण दिसंबर, 2025 तक पूरा हो जाएगा। महाप्रबंधकों ने बताया कि मिजोरम का भैरबी-साईरंग परियोजना भी इस साल जुलाई महीने तक पूरी होने की संभावना है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूर्वोत्तर में रेलवे की बुनियादी संरचना की परियोजनाओं के लिए सकल बजट आवंटन 10,440 करोड़ रुपए है। यह 2009-14 के दौरान 2,122 करोड़ रुपए के औसत बजट आवंटन की तुलना में 5 गुना से भी अधिक है। इस वर्ष बजट आवंटन में नई लाइन एवं दोहरीकरण परियोजनाओं, ट्रैक नवीनीकरण, परिवहन सुविधाओं, सड़क सुरक्षा कार्यों, पुल निर्माण, सिग्नलिंग, कारखानों के आधुनिकीकरण और ग्राहक सुविधाओं आदि जैसे कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

मायूम कामाख्या शाखा ने की विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा

गुवाहाटी (विभास)। संगीत की हो धुन, मां सरस्वती का आशीष आए। ज्ञान की रोशनी से सजे हर घर, मां सरस्वती करे सबका उद्धार। मां सरस्वती का आशीर्वाद मिले हर घर खुशियों से महके जाए मायूम कामाख्या शाखा ने अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में उलुबाड़ी स्थित बापूजी प्राथमिक विद्यालय में सरस्वती पूजा (बसंत पंचमी) का त्योहार मनाया गया जिसमें बच्चों के बीच स्टेशनरी वस्तुवें वितरित की गई जैसे की किताब, कॉपी, पेंसिल, रबर आदि वस्तुए पाकर बच्चे बहुत खुश थे इस वस्तुवो को देने का मकसद बच्चों को खुशी के साथ साथ शिक्षा के छेत्र में आगे लाना है कार्यक्रम की संयोजिका चांदनी बैद और ममता सेठी के साथ साथ बाकी सदस्यो का भी भरपुर सहयोग रहा जन संपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष खुशबु मोर, पूर्व अध्यक्ष व शाखा सलाहकार मीना पोद्दार, सह सचिव मीना जैन, शांति कुंडलिआ, नेहा जैन, किरण अग्रवाल, निष्ठा पोद्दार आदि सदस्याए उपस्थित थी।

गौशाला में बनकर तैयार हुआ बहुप्रतिक्षित राधा कृष्ण का भव्य मंदिर

गुवाहाटी। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला परिसर में बहुप्रतिक्षित श्री राधा कृष्ण के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस भव्य मंदिर का सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन आगामी 4 फरवरी से होगा, जिसका समापन आगामी 10 फरवरी को भगवान श्रीकृष्ण-राधा के विग्रह स्थापित कर भक्तों के दर्शन हेतु मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा हेतु आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में नवनिर्मित मंदिर के सम्मुख यज्ञशाला निर्माण किया गया है। सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में 4 फरवरी से रोजाना प्रात: 9 बजे से देव पूजन किया जाएगा। वहीं अपराह्न 3 बजे से जप पाठ एवं हवन तथा शाम 7 बजे आरती की

जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा कार्य पूरे विधि-विधान से वेदाचार्य-धनपाठी कृष्ण लक्ष्मीकांत पुराणिक सेवानिवृत प्रधानाचार्य-असम वेद विद्यालय के आचार्यत्व में बनारस से आए विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ किया जाएगा। श्री गौहाटी गौशाला के ट्रस्टी इनचार्ज डॉ. अशोक धानुका ने सप्त दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी गौभक्तों को सादर आमंत्रित करते हुए अपनी गरिमामय उपस्थिति हेतु अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले लंबे समय से गौशाला परिसर में राधा कृष्ण मंदिर की जरूरत महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी हो चुकी है। इस भव्य राधाकृष्ण मंदिर को सुरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार भड़ेच परिवार के सहयोग से निर्माण कराया गया है।

गुवाहाटी में सशक्त माता-पिता पर मेगा सेमिनार का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब द्वारा आयोजित सशक्त माता-पिता पर मेगा सेमिनार का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह सेमिनार लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी टाइम्स, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी कामरूप और लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग लायनेस के सौजन्य से आयोजित किया गया था। सेमिनार का मुख्य आकर्षण थीं श्वेता चौधरी जो संस्थापक और मुख्य प्रशिक्षक है अमृत असमी इंस्टीट्यूट ऑफ लिविंग लाइफ की जिन्होंने माता-पिता को उनके बच्चों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए आवश्यक जानकारियां और कौशल प्रदान किए। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर माता पिता जाने अनजाने में अक्सर छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते है जो बच्चों पे असर करती है और वही बातें आगे चलकर माता पिता के लिए परेशानी की वजह भी बन जाती है॥ इस कार्यशाला का मकसद माता पिता के उन्ही पहलुओं को उजागर करना था ताकि वो अपने बच्चों की बेहतर परवरिश कर सके और अपने

संबंधों को और मजबूत बना सके। प्रवक्ता स्वेता जी ने अपने क्लिनिक में आने वाले क्लाइयंट के साथ हुए अनुभव साझा किए जिसे मौजूद लोगों ने अपने से कनेक्ट करके चीजों को समझा। सेमिनार में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें वीडीजी-1 लायन पंकज पोद्दार, जीटीई सुरेश गगर, जिला समन्वयक एलसीआईएफ लायन रितु बांका, जेडसी- जोन 1 लायन अजय पोद्दार, आरसी रीजन-1 लायन विशाल बेरीवाल, जेडसी -कंचन पोद्दार शामिल थे। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड की तरफ से सचिव राहुल तुलस्यान, अनुपम अग्रवाल, जया पारीक, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी टाइम्स के अध्यक्ष लायन गौतम कुमार निमोदिया, लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी कामरूपा की अध्यक्षा लायन नीतू बकरेडिया और लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग लियोनिस की अध्यक्षा लायन पायल चड्ढा और चारों क्लब के कई सदस्य मौजूद थे। इसके अलावा, मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा की अध्यक्षा स्नेहल बीदासरिया के साथ ही शाखा की कई सदस्याओं ने इस सेमिनार में भाग लिया। चारों क्लब से प्रोजेक्ट चेयरपर्सन सुमिता सिंघल, उर्वशी गर्ग, वर्षा चौधरी तथा दीपशिखा मुरारका तथा जिला समन्वयक एलसीआईएफ लायन रितु बंका ने इस सेमिनार को करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सेमिनार में 100 से अधिक लोगो ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई तथा जेसीआई की पूर्व जोन प्रेसिडेंट स्वेता सोमानी और बोस नेटवर्क की संस्थापक पायल अग्रवाल जैन ने हमारे समाज में इस तरह के सेमिनार की आवश्यकता पर जोर दिया और आयोजकों से आग्रह किया की इस तरह के जागरूकता सेमिनार का आयोजन होते रहना चाहिए। अंत में लायन बबिता मोर ने आयोजन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापन किया।

संपादकीय

केंद्र से आर्थिक मुराद

कहीं तालियां, कहीं बाहुपाश, हर बजट की समझ में खुद को ढूंढना अब इल्तिजा है। यूं तो केंद्रीय बजट का शृंगार मध्यम वर्ग की संवेदना पर मरहम लगाता प्रतीत हो रहा है, लेकिन छोटे मंसूबों में बड़े उपकार के मुहावरे समझना कठिन है। अब सीधा गणित है भी नहीं कि हम अपने राज्य के आसपास बजट को सीधा खड़ा कर दें, फिर भी तलाश यह है कि हिमाचल इसके भीतर अपनी आर्थिक मुराद पूरी करे। केंद्र से सीधे संबोधन की सुर्खियां लालायित करती हैं, तो हिमाचल का मध्यम वर्ग आयकर के बारह लाख क्लब का लाभान्वित सदस्य तो हो ही गया। जो कर्मचारी कल तक ओपीएस के बाहुपाश में हिमाचल सरकार के बाहुपाश में थे, उनके लिए आयकर का नवीन मुहावरा, बड़े काम का हो गया। देश के मध्यम वर्ग के मार्फत अब राष्ट्रीय खुशहाली के ख्वाब अगर बाजार में पल्लवित होते हैं, तो हिमाचल में सियासत इसी बुनियाद को पुख्ता करेगी। हम कई बार लिख चुके हैं कि हिमाचल में चुनाव के विषय और वर्ग को समझना है, तो मध्यम वर्ग-मध्यम वर्ग जपना ही होगा। यहां कर्मचारी वर्ग की ताजपोशी में मिशन रिपीट का सबब अगर पूरा नहीं होता, तो इसलिए कि गैर सरकारी क्षेत्र का मध्यम वर्ग ही राष्ट्रीय औसत से दोगुना है। यानी देश में 31 प्रतिशत मध्यम वर्ग के मुकाबले हिमाचल में साठ से सत्तर प्रतिशत जनसंख्या इसी दायरे में चिन्हित हो रही है। खैर एक वर्ग केंद्र ने अपने नजदीक कर लिया, तो इसके मायने हिमाचल के बजट में भी देखे जाएंगे। जिसने जान लीं बारीकियां अपने हुस्न कीं, वह मुंह दिखाने के काबिल बनता गया। ऐसे में उन प्रतिक्रियाओं के अक्स में हिमाचल प्रदेश की आशाओं को देखना होगा, जिन्हें साधने की कला में कांग्रेस और भाजपा के जनप्रतिनिधि आमने-सामने हैं। सांसदों के गलियारे में हमारे हिस्से के अल्फाज अगर प्रशंसा कर रहे हैं, तो अब सुरेश कश्यप, राजीव भारद्वाज, अनुराग ठाकुर, कंगना रनौत, इंदु गोस्वामी, प्रो. सिकंदर कुमार से लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से गुजारिश है कि बजट के बीच हिमाचल के मौन को तोड़ें। यह दीगर है कि केंद्र की हर योजना की झलक में प्रदेश के लाभ सुनिश्चित हैं, लेकिन मात्रात्मक दृष्टि से अब कांग्रेस शासित प्रदेश होने की गुरबत है। जीएसटी की साधना में प्रदेश का कर ढांचा अगर मन्नत पूरी नहीं कर पा रहा है, तो हिसाब की ईमानदारी में गफलत तो है। इसलिए जब बिहार पर बजट का झुकाव देखा गया, तो हिमाचल पर सूखे की मार डराती है। कहां तो हमारे सांसद बड़ी परियोजनाओं के सपने दिखाते हैं और कहां हकीकत में बजट आंखें बंद कर लेता है। हम राजनीतिक दुर्ग लांघते आर्थिक कांटों की पीड़ा का एहसास कर सकते हैं, क्योंकि हम पहाड़ी राज्य अपने ही संसाधनों को मौन कर बैठे हैं। हम हिमाचल के पड़ोसी जम्मू-कश्मीर में दौड़ती वंदे भारत के नक्शे पर अंब-अंदौरा को निकली ट्रेन का इंजन ज्वालामुखी-कांगड़ा तक लाना चाहते हैं, लेकिन बजट खामोश है। केंद्रीय बजट की खामोश पलकों को अपनी उम्मीदों से खोलना चाहते हैं, इसलिए इसकी हर खूबी की प्रतीक्षा है, इसके भीतर बहते हर प्रोत्साहन की मंजिल में खुद को रखना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि केंद्रीय परियोजनाओं में पर्वतीय राज्य का विशेष वित्तीय दर्जा घायल न हो। पिछड़े सौ जिलों के उद्धार में हिमाचल की भौगोलिक दुरुहता कम हो जाए। इंडिया पोस्ट से निकलती ग्रामीण आर्थिकी में हिमाचल के पिछड़े गांव शरीक हो जाएं। मत्स्य उद्योग से जल स्रोत और बांध परियोजनाओं के मुहाने जुड़ जाएं। होगा यह बजट गेम चेंजर, मगर राजनीतिक खेल में फंसी हमारी मुराद कैसे पूरी होगी, यह जवाब तमाम सांसदों को देना होगा। हिमाचल न तो ऊंट है और न ही सवाल इसके मुंह में जीरे का है, बल्कि यहां पर्वतीय अधिकारों के मानदंड अनिश्चित हैं। बेशक केंद्रीय बजट पर्यटन की आंखों से देखते हुए 50 स्थलों का विकास करना चाहता है। ऐसे में हम पहाड़ की आर्थिकी को पर्यटन से तभी रूबरू कर पाएंगे, अगर प्रस्तावित स्थलों में हिमाचल का ट्राइबल टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित हो जाए या ग्रामीण पर्यटन में निखार आ जाए।

केंद्रीय बजट का शृंगार मध्यम वर्ग की संवेदना पर मरहम लगाता प्रतीत हो रहा है, लेकिन छोटे मंसूबों में बड़े उपकार के मुहावरे समझना कठिन है। अब सीधा गणित है भी नहीं कि हम अपने राज्य के आसपास बजट को सीधा खड़ा कर दें, फिर भी तलाश यह है कि हिमाचल इसके भीतर अपनी आर्थिक मुराद पूरी करे। केंद्र से सीधे संबोधन की सुर्खियां लालायित करती हैं, तो हिमाचल का मध्यम वर्ग आयकर के बारह लाख क्लब का लाभान्वित सदस्य तो हो ही गया। जो कर्मचारी कल तक ओपीएस के बाहुपाश में हिमाचल सरकार के बाहुपाश में थे, उनके लिए आयकर का नवीन मुहावरा, बड़े काम का हो गया। देश के मध्यम वर्ग के मार्फत अब राष्ट्रीय खुशहाली के ख्वाब अगर बाजार में पल्लवित होते हैं, तो हिमाचल में सियासत इसी बुनियाद को पुख्ता करेगी।

ट्रंप के नए कार्यकाल में उनकी नई आर्थिक रणनीति उभर कर दिखाई दे रही

भारत-अमरीका आर्थिक संबंधों का सच

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बात करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमरीका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के उपायों पर सार्थक चर्चा की। इस चर्चा के बाद भारत-अमरीका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा

नरेंद्र 27 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बात करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमरीका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के उपायों पर सार्थक चर्चा की। इस चर्चा के बाद भारत-अमरीका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह भी बात महत्वपूर्ण है कि जहां फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के अमरीका जाने की संभावना है, वहीं क्वाड के शिखर सम्मेलन में इसी वर्ष 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत आने की संभावनाएं हैं और इससे अमरीका के साथ भारत के कारोबारी संबंध भी और व्यापक होंगे। गौरतलब है कि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप ने अमरीका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद अपने पहले संबोधन में कहा कि अब अमरीका का स्वर्णिम दौर शुरू हो रहा है। अमरीका फिर से अमीर देश बनेगा। अमरीका फिर से मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा और अमरीकी नागरिकों को समृद्ध बनाने के लिए दूसरे देशों के उत्पादों पर टैक्स और टैरिफ बढ़ाए जाएंगे। ट्रंप के नए कार्यकाल में उनकी नई आर्थिक रणनीति उभर कर दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि शपथ ग्रहण करने के बाद ट्रंप ने नए आर्थिक फैसले लेते हुए कहा कि यदि ग्लोबल ट्रेड में ब्रिक्स देशों के द्वारा डॉलर का इस्तेमाल घटाया जाएगा तो ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी ट्रैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने ऐसा कुछ नहीं कहा जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

ट्रंप इस बार दोगुने आर्थिक ताकतवर राष्ट्रपति दिखाई दे रहे हैं। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ट्रंप ने पहले भी उनके संबोधनों में स्पष्ट संकेत दिया है कि उनकी नई आर्थिक रणनीति में जहां समृद्ध अमरीका के सपने को साकार करने के लिए आयात शुल्कों को बढ़ाना शामिल है, वहीं बदलती हुई दुनिया में उथल-पुथल मचाते हुए अमरीका को चुनौती दे रहे चीन के आर्थिक दबदबे को कारोबारी प्रतिबंधों व ऊंचे शुल्कों से नियंत्रित करना भी शामिल है। ट्रंप ने सबसे पहले चीन, कनाडा, मैक्सिको सहित उन शीर्ष पांच-छह देशों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाने का संकेत दिया है, जिनके साथ अमरीका का व्यापार घाटा सबसे अधिक है। इन देशों पर कड़े आर्थिक फैसले भारत के लिए फायदेमंद होंगे। चूंकि ट्रंप ने भारत को भी कुछ उत्पादों के लिए अधिक आयात शुल्क वाला देश कहा है, ऐसे में भारत के द्वारा अमरीका के व्यापक हित में कुछ उत्पादों से

शुल्क घटाए जाने से भारत को अमरीका में निर्यात के अधिक मौके प्राप्त होंगे। भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गारसेटी ने कहा है कि ट्रंप के आगमन से भारत और अमरीका के आर्थिक रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को शपथ ग्रहण करने के बाद बधाई देते हुए एक-दूसरे के हित में मिलकर काम करने का संदेश दिया है। ऐसे में ट्रंप की आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत के लिए आर्थिक मौके उभर कर दिखाई दे रहे हैं। खास तौर पर ट्रंप ने भारतीयों को बड़ी राहत का ऐलान करते हुए कहा कि एच-1बी वीजा बंद नहीं होगा, क्योंकि इस समय अमरीका को अच्छे प्रोफेशनल्स की जरूरत है। निःसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमरीका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए परस्पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की जगह अमरीका की आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की ओर बढने का संकेत दिया है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व स्तर पर जो आर्थिक-कारोबारी नियम, समझौते और सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे सब इस समय ध्वस्त होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

खास तौर से चीन ने स्वीकार्य वैश्विक कारोबारी नियमों का पालन नहीं किया है। चीन ने न केवल रणनीतिक रूप से पश्चिम का औद्योगीकरण समाप्त करने का काम किया है, बल्कि उसने पश्चिम की कई नई तकनीकें भी चुराई हैं। इनके दम पर चीन का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है। 2024 में अमरीका का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा चीन से रहा है। स्थिति यह है कि वर्ष 2030 तक चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूचे पश्चिम के विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में अधिक हो जाने का अनुमान है। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले माह दिसंबर 2024 में चीन की सालाना सेंट्रल इकानॉमिक वर्क कॉन्फ्रेंस (सीईडब्ल्यूसी) में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की चुनौती से निर्मित कुछ उल्लेखनीय बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अमरीका से मुकाबले की नई आर्थिक रणनीति बनाई गई। इसके तहत चीन में मांग में ठहराव, बिगड़ती बाहरी आर्थिक चुनौतियों और चीनी अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट की बात स्वीकार करते हुए अधिक बड़े आर्थिक प्रोत्साहन का रास्ता चुना गया है। 'उदार मौद्रिक नीति' पर रजामंदी बन गई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप के नए कार्यकाल के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने अनुमान जताया है कि अमरीका के नए राष्ट्रपति ट्रंप से चीन को भारी नुकसान हो सकता है और भारत समेत आसियान देशों को फायदा होगा। वैश्विक अर्थविशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत और अमरीका के बीच लगातार बढ़ता हुआ व्यापार ट्रंप के नए कार्यकाल में और बढना संभावित है। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 120 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वर्ष 2024 में जनवरी से जून 2024 के बीच अमरीका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनने के साथ-साथ भारत के लिए अमरीका निर्यात के लिए सबसे बड़े बाजार सबसे प्रमुख निर्यात के रूप में रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष भी अमरीका के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है और यह अधिशेष 35.3 अरब डॉलर स्तर पर है।

ट्रंप के पहले शासनकाल में भारत चीन के खिलाफ सख्ती का फायदा नहीं उठा सका था। ऐसे में ट्रंप द्वारा अमरीकी प्रशासन की बागडोर संभालने के बाद भारत को ऐसी बहुआयामी रणनीति पर आगे बढना होगा, जिससे एक ओर अमरीका में निर्यात बढ़ सके, वहीं दूसरी ओर वैश्विक निर्यात में भी तेज बढ़त मिल सके। हम उम्मीद करें कि अब जब डोनॉल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल में अमरीका को नए सिरे से गढने के लिए चीन, कनाडा व मैक्सिको पर अधिकतम शुल्क लगाने के साथ-साथ भारत के भी कुछ उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का संकेत दिया है, तब भारत के द्वारा अमरीका के व्यापक हित वाले उत्पादों पर शुल्क में उपयुक्त कमी की रणनीति के साथ आगे बढना लाभप्रद होगा। ऐसे में अमरीका को अधिक निर्यात बढ़ाने और चीन प्लस वन के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर अधिक निर्यात के मौके भारत की मुठ्ठी में आते हुए दिखाई दे सकेंगे। हम उम्मीद करें कि ट्रंप के द्वारा जो नई आर्थिक इबारत लिखी जाएगी, उससे भारत-अमरीका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा और अमरीका के साथ मजबूत आर्थिक रिश्ते भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में भी मददगार साबित होंगे। नए अवसरों का दोहन करना होगा।

दृष्टि कोण

बेसहारा पशुओं की समस्या और उसका समाधान

हिमाचल प्रदेश में बेसहारा पशुओं की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। वर्तमान में बेसहारा पशुओं की संख्या 36311 बताई जा रही है जिनमें से 20202 गोसदनों में भर्ती हैं। ये विभागीय आंकड़े हैं, हालांकि असल में यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि आए दिन नए-नए पशु गांवों में बेसहारा घूमते हुए मिल जाते हैं। किसानों को फसल बचाने के लिए रातें खेतों में काटनी पड़ रही हैं। कईयों ने अपने-अपने खेतों में बांस का बाड़ लगाने की कोशिश भी की है, किन्तु कोई लाभ नहीं हो रहा है। पशुओं और बंदरों के संयुक्त हमलों से बहुत से खेत वीरान हो चुके हैं। लोगों ने बीजना ही बंद कर दिए हैं। समस्या आजीविका पर सीधे आघात की है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। सरकार अपनी तरफ से प्रयास भी कर रही है, किन्तु समस्या काबू नहीं आ रही है तो जाहिर है कि व्यवस्था पर समाधान के प्रयास छोटे पड़ रहे हैं। प्रदेश में कुल गोवंश की संख्या 18 लाख 28 हजार है। 2003 में यह संख्या 22 लाख के लगभग थी। यानी पशुपालन के प्रति रुझान कम हो रहा है। हालांकि दूध का उत्पादन तो बढ़ा ही है। 2013 में जो उत्पादन 11.39 लाख टन था, वह बढ़ कर 2024 में 16.17 लाख टन हो चुका है। प्रदेश में दूध की मांग 20 लाख टन के आसपास है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 650 ग्राम है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से पर्याप्त है, किन्तु 2 करोड़ के लगभग पर्यटकों का दबाव भी है, इसलिए उत्पादन से निश्चय ही मांग पूरी नहीं हो रही है। गांव-गांव में आपको अमूल, वेरका आदि के दूध और दूध उत्पाद बिकते दिख जाएंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 4 लाख टन का टोटा हर साल पड़ रहा है। वास्तव में यह कमी और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कितना ही नकली दूध उत्पाद भी हर साल पकड़ा जाता है। इसका निष्कर्ष यह निकलता है कि दूध की खपत की कोई समस्या नहीं है, और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए पशुपालन को प्रोत्साहित करने की पर्याप्त गुंजाइश है। फिर भी पशु सडक़ पर क्यों हैं, इस बात की खोज होनी चाहिए। इस तरह समस्या के दो रूप सामने आ रहे हैं। एक तो जो पशु सडक़ पर हैं, उनको आसरा कैसे दिया जाए और दूसरा, कि नए पशु बेसहारा न छोड़े जाएं। जो बेसहारा घूम रहे हैं, उनके लिए गोसदन बना कर व्यवस्था की जा रही है किन्तु वह पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। कई गोसदन खाली पड़े हैं और कई, अभाव की स्थितियों के साथ जूझ रहे हैं। गो सदनों को जो राशि प्रति पशु दी जा रही है, वह पर्याप्त नहीं है। एक-तीन साल से बड़े पशु को दिन में कम से कम 5 किलो सूखा घास और 20 किलो के आसपास हरा चारा मिलना चाहिए। महीने में कम से कम डेढ़ क्विंटल तूड़ी ही चाहिए जिसकी कीमत 1500 के लगभग होगी। लेकिन मिलते तो केवल 700 रुपए हैं। अब इसके अलावा हरे चारे और कार्यकर्ता का खर्चा अलग से है। इसके चलते कोई भी इस काम में हाथ डालने से डरता है। समाज से भी छोटी मोटी मदद ही मिलती है जिससे कमी पूरी नहीं हो सकती। अतः गोसदनों पर खर्च की व्यवस्था को सुधारा जाना चाहिए। 2022 तक मंदिरों से प्राप्त दान और दारू की बोतल पर लगाए गए कर से लगभग 25 करोड़ रुपए सरकार के पास आए, उसका पूरा निवेश इस कार्य पर होना चाहिए, फिर भी कमी रहे, तो अलग से सोचा जा सकता है। पहाड़ी इलाकों में ट्रैक्टर नहीं चलने के कारण लोग बैल तो पाल ही लिया करते थे। सरकार ने पॉवर टिलर को अनुदान देकर प्रचारित किया और बैलों को पालने की संभावना ही खत्म कर दी। यदि इसके बजाय बैल पालने वालों को सबसिडी दी जाती तो बेसहारा पशु संख्या में 40 फीसदी कमी आ सकती थी। वर्तमान में पशुपालन को इतना लाभदायक बनाने की जरूरत है कि लोग अच्छी आमदनी के लिए इसको अपना लें। गांव में भी अब घर-घर पशु पालन की व्यवस्था चरमरा गई है, क्योंकि युवक नौकरी की तलाश में घरों से दूर जाने को मजबूर हैं और एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है।

कुछ अलग

खोदा पत्थर निकला खुदा

जैसे ही पुजारी को सरकार की तरफ से मेहनताने की पहली किस्त, तनख्वाह के रूप में मिली, मंदिर में स्थापित मूर्ति में भगवान प्रवेश कर गए। इस चमत्कार का श्रेय लेने के लिए सरकार के मुख्यमंत्री स्वयं मंदिर पहुंच गए थे। पहुंचें भी क्यों नहीं, उनके चमत्कार ने ईश्वर को धरती पर ही नहीं, मूर्ति पर भी उतार दिया था। अब मूर्ति में भगवान और भगवान में मूर्ति थी। पुजारी फूला नहीं समा रहा था, लेकिन वह धन्यवाद केवल मुख्यमंत्री को ही दे रहा था। यह देख भगवान को मूर्ति के भीतर गुस्सा आ गया। वह तमतमाए स्वर में कई श्लोक, कई लोक और कई अनमोल वचन पढ़ गए। एक बार उनके दिल में आया कि मूर्ति छोडक़र चले जाएं, लेकिन फिर अपने प्रोपेगंडा को लेकर चिंतित हो गए। अंतरमन में भगवान गुनगुनाए, 'अंततः पुजारी का ख्याल मेरी वजह से ही तो कर रही है सरकार। अभी मंदिर को बनाए दिन ही कितने हुए। कल तक तो यहां खेत और खेत के ऊपर किसान था। वह सब्जी उगाकर कुछ कमा लेता था, लेकिन कमाई इतनी नहीं थी कि भगवान की मूर्ति बना ले। आखिर भगवान भी तो मूर्ति की वजह से ही संसार में आ सकता है। मैं पैदा ही तब हुआ जब किसी नेता ने आकर प्रणाम किया, वरना ढेरों पत्थर, गुम हो गए भगवान बनते-बनते, लेकिन टूटे वही जो इनमें मजहब खोजते लगे। ईश्वर को मजहब बनने से डर लगता है, लेकिन कुछ पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है। ईश्वर अगर मजहब न होता, तो वह न जाने कब से हर दिल में एक दुआ बन के रहता, लेकिन अब दुआएं पारिश्रमिक हैं। एक हाथ दो, दूसरे से ले लो। मुख्यमंत्री ने पुजारियों से लेकर इमामों और ग्रंथियों तक को पारिश्रमिक दे के सारी दुआएं कब्जा लीं। इससे भी खुदा दुखी है। वह यह तय नहीं कर पा रहा कि कब राम, कब रहीम और कब वाहे गुरु बने। वह मूर्ति में है, तो उसकी दुआएं एक तरह की हैं। कुरान में और ग्रंथ साहिब में भी अगर वही हैं, तो फिर ईश्वर भी परिचय के लिए खास जगह खोज रहा है। खैर, दुआएं अभी कई अन्य मजहबों में बाकी हैं। अब दुआएं खाता बन गईं, बही खाते में कुछ धर्म आ गए, लेकिन 'पुजारी' तो किसी भी रूप में आ सकते हैं। जिन्होंने नेताओं तक के मंदिर बनाए या जो मंचों और मीडिया पर आकर पूजा कर रहे हैं, उन्हें भी तो घोषित पारिश्रमिक मिले। अब मूर्ति में बैठा भगवान यह तय नहीं कर पा रहा कि उसके अपने मजहब से कितनी दुआएं निकल सकती हैं, लेकिन यह देख सामने से मुख्यमंत्री हंस रहा था। उसे मालूम है कि कब किस मजहब से किस मिकदार में दुआएं निचोडऩी हैं। इसलिए वह सीधे खुदा से नहीं, पुजारी इमाम और ग्रंथी पर विश्वास कर रहा है। भगवान उसकी कुटिलता से हिल गए, बल्कि फंस गए हैं। वह मूर्ति से बाहर निकल कर अपनी राह पर निकलना चाहते हैं, लेकिन पारिश्रमिक प्राप्त पुजारी मुख्यमंत्री की खातिर भगवान को अपने ही मेहनताने का भागीदार मानकर बाहर आने नहीं दे रहा। भगवान ने क्रोधित होकर आकाशवाणी कर दी, 'मैं आइंदा मुफ्त में कहीं भी पूजा में नहीं जाऊंगा। स्थापित करने से पहले मेरा मेहनताना तय करो।' मुख्यमंत्री फिर हंसा और अपने पुजारी के कंधे पर हाथ रखकर बोला, 'भगवन! इस मंदिर में अब आपको पारिश्रमिक नहीं मिलेगा। यहां तो भक्त और पुजारी तय हो चुके हैं। आओ कहीं आगे बढ़ें।' मजबूर ईश्वर मूर्ति से बाहर आए और मुख्यमंत्री के साथ खुद के लिए नई मूर्ति ढूंढने निकल पड़े। एक पुरानी इमारत में पहले से बसे विश्वास पर मुख्यमंत्री को शक हुआ।

देश दुनीया से

पाठ्यक्रमों में बदलाव भी बन गया सत्ता पाने का हथियार

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सब के बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढना होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशत तथ्य तोड़मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह है कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं।

इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सेलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सेलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सेलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार-बार संघ परिवार जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे।

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्दारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारधारा थोंपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे। इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्यपुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गयी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्यपुस्तकों में प्रमुखता दी गई।

राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति-सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)

ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्यपुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किये गये। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अन्दर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया।

वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है जब सरकार ने पाठ्यपुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्यपुस्तकों में संशोधन किया गया था। हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किये। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया। मम्लूक, तुगलक, खिलजी, लोधी और मुगल साम्राज्य समेत सभी मुस्लिम साम्राज्यों के बारे में जानकारी देने वाले कई पन्नों को हटाया गया। जाति व्यवस्था से भी जुड़ी काफी जानकारी को हटा दिया गया, जैसे वर्ण प्रथा वंशानुगत होती है, एक श्रेणी के लोगों को अछूत बताना, वर्ण प्रथा के खिलाफ विरोध, 2002 के गुजरात दंगे, आपातकाल, नर्मदा बचाओ आंदोलन जैसे जन आंदोलनों आदि जैसी आधुनिक भारत की कई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी को भी हटा दिया गया। पाठ्यपुस्तकों से विवादास्पद हटाए गए तथ्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पाठ्यपुस्तक की सामग्री बदल सकते हैं, लेकिन वे इतिहास को नहीं मिटा सकते।

भाजपा सरकार द्वारा पाठ्यपुस्तकों के भगवाकरण की व्याख्या करते हुए, केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि संघ परिवार इतिहास के निरंतर भय में रहता है क्योंकि यह उनके असली चेहरे को उजागर करता है। वे इतिहास को फिर से लिखने और उसे झूठ से ढकने का सहारा लेते हैं। संघ परिवार में आरएसएस और भाजपा सहित उसके संबद्ध संगठन शामिल हैं। रोमिला थापर और जयति घोष जैसे प्रख्यात शिक्षाविदों, जिन्होंने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के पिछले संस्करण लिखे हैं।

आप का नजरीया

जनता की जेब का बजट

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के लिए जो बजट लोकसभा में पेश किया है, उसकी बुनियादी व्याख्या यह की जा रही है कि देश का मध्य वर्ग, वेतनभोगी वर्ग 'बम-बम' है। मोदी सरकार ने लंबे इंतजार के बाद मध्य वर्ग की मुराद पूरी की है। यह 'बम-बम' स्थिति कुछ हद तक सही भी है, क्योंकि अब 12.75 लाख रुपए सालाना तक की आय आयकर-मुक्त होगी। इसमें हमने 75,000 रुपए 'मानक कटौती' के भी जोड़ दिए हैं। अब इतनी आय वाले को सालाना 80,000 रुपए से अधिक का फायदा होगा। करीब 88 फीसदी करदाता ऐसे बताए जा रहे हैं, जो नए बजट के लागू होने के बाद आयकर-मुक्त हो जाएंगे, लेकिन यह बजट का 'अद्र्धसत्य' ही है, क्योंकि बजट का नजरिया आम आदमी की जेब भरने का रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि आम आदमी की जेब कैसे भरे, उसकी बचत कैसे हो, वह देश के विकास में भागीदार कैसे बने, यही बजट की सोच रही है। यही 'विकसित भारत' का बजट है। बहरहाल देश की जनता की जेब में पैसा होगा, तो वह खर्च भी किया जाएगा। उससे बाजार में मांग बढ़ेगी और औसत नागरिक की खपत भी बढ़ेगी। नतीजतन उद्योगों में उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था का ही विस्तार होगा। बेशक सरकार ने आम करदाता, मध्य वर्ग की जेब में पैसा इसीलिए डालने का निर्णय लिया है, ताकि उससे आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से अधिक रहे। अभी तो यह दर 6.4 फीसदी के आसपास है। वैसे पूरी गणना करें, तो हमारी विकास दर 5 फीसदी से भी कम है। यदि विकास दर लगातार 10 सालों तक 8 फीसदी से अधिक रहती है, तो ही हम 'विकसित भारत' की ओर मजबूती से बढ़ सकते हैं। दरअसल भारत में मध्य वर्ग परिभाषित ही नहीं है। कुछ विशेषज्ञ 30-35 करोड़ आबादी को ही मध्य वर्ग के दायरे में मानते हैं, जबकि कुछ थिंक टैंक मानते हैं कि देश में 6-36 लाख रुपए सालाना कमाने वाले करीब 56 करोड़ लोग मध्य वर्ग में ही आते हैं। नए बजट के बाद इस जमात के हाथ में करीब 1 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त आएंगे। तय है कि वह पैसा, अंततः, बाजार में ही आएगा। मांग के साथ उपभोग भी बढ़ेगा। यह भी एक सत्य है कि 2 करोड़ से कुछ अधिक करदाता ही आयकर का भुगतान करते हैं। बेशक बीते साल 7-8 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न भरीं, लेकिन उनमें से करीब 5.20 करोड़ ने रिटर्न तो फाइल की, लेकिन एक रुपया भी आयकर नहीं दिया। सवाल है कि 146 करोड़ की आबादी वाले देश में मात्र 2 करोड़ के ही आयकर का भुगतान करने से अपेक्षित मांग और खपत बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को इतना विस्तार दे सके कि हम 'विकसित भारत' का सपना साकार कर सकें? यथार्थ तो यह है कि देश में बेरोजगारी दर दहाई का आंकड़ा पार कर चुकी है। औसत आय बढ़ नहीं पा रही है, क्योंकि नौकरियां नहीं मिल रही हैं। औसत व्यक्ति और घर के रोजमर्रा के खर्च महंगे होते जा रहे हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय कम हो गई है। विदेशी मुद्रा भंडार भी घट गया है। हम करीब 325 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था हैं, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर का सपना अभी बहुत दूर है।

राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पेश

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक *राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025* प्रस्तुत किया। इस विधेयक पर बजट सत्र में चर्चा के बाद इसे पारित किया जाएगा। विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में तय की जाएगी। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने पर भी कलेक्टर को सूचना देना अनिवार्य होगा। इच्छानुसार धर्म परिवर्तन करने के लिए 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देना आवश्यक होगा और यह प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य होगी। विधेयक में *लव जिहाद* के खिलाफ भी प्रावधान किए गए हैं। विधेयक में *लव जिहाद* को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन के लिए विवाह करता है, तो इसे *लव जिहाद* माना जाएगा। यदि यह प्रमाणित होता है कि विवाह का उद्देश्य धर्म परिवर्तन है, तो ऐसे विवाह को रद्द करने का प्रावधान किया गया है। पारिवारिक न्यायालय इस प्रकार के विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है। प्रस्तावित विधेयक में पहली बार गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन करवाने पर एक से पांच साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। यदि किसी नाबालिग या अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी-एसटी) का जबरन धर्म परिवर्तन करवाया जाता है, तो इसके लिए, तीन से दस साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा, समूह में धर्म परिवर्तन करवाने या बार-बार धर्म परिवर्तन करवाने पर भी कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। राजस्थान के संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने विधेयक पेश होने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में धर्मांतरण विधेयक की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने बताया कि हमारे राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में यह विधेयक बेहद जरूरी था। प्रलोभन, कपटपूर्ण साधन या विवाह के जरिए धर्म परिवर्तन की घटनाओं को रोकने के लिए इसे लाया गया है। कई संस्थाएं और व्यक्ति आर्थिक प्रलोभन देकर या गलत प्रचार करके धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। यह समस्या आदिवासी इलाकों समेत कई क्षेत्रों में देखी गई है। इन सभी गतिविधियों की रोकथाम के लिए यह विधेयक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सख्त कानून बनने के बाद ऐसी गतिविधियां रुक जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में किसी भी बहन-बेटी या व्यक्ति के साथ अन्याय न हो और उनकी इच्छा के खिलाफ कुछ भी न किया जाए। मेरा मानना है कि इस सख्त कानून के कारण धर्म परिवर्तन की घटनाएं बंद हो जाएंगी। हालांकि धर्मांतरण विधेयक पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि विधेयक पेश किया गया है, लेकिन यह समझने की जरूरत है कि इसके प्रावधान क्या हैं और क्यों इसकी आवश्यकता महसूस हुई। अगर सरकार को लगता है कि कोई संस्था या व्यक्ति जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहा है, तो ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। स्थिति को स्पष्ट करना जरूरी है लेकिन सरकार अन्य जरूरी मुद्दों की अनदेखी करते हुए धर्मांतरण विधेयक के नाम पर प्रचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि वसुंधरा राजे सरकार के दौरान वर्ष 2008 में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पेश किया गया था, लेकिन यह विवादों में घिर गया। इसके बाद राज्यपाल ने इस विधेयक को रोक दिया। केंद्र सरकार ने इसके कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई, जिसके चलते यह विधेयक केंद्र और राज्य के बीच अटका रहा। पिछले साल अशोक गहलोत सरकार ने इस विधेयक को केंद्र से वापस ले लिया। अब वर्तमान सरकार राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 लेकर आई है।

यूपी में प्रिंसिपल और टीचरों की कमी से छात्र परेशान हैं : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में टीचरों की कमी को लेकर तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह सर्वविदित तथ्य है कि प्रधानाचार्यों और सहायक अध्यापकों की अनुपलब्धता के कारण छात्र परेशान हैं। जस्टिस प्रकाश पाडिया ने यह आदेश कमेटी आफ मैनेजमेंट कृषि औद्योगिक विद्यालय एएयू अतर्रा बांदा की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका के मार्फत स्वीकृत पदों के अनुसार शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियां न किए जाने से व्यथित होकर स्कूल ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका के अनुसार स्कूल में एक प्रधानाध्यापक, दो सहायक अध्यापक, एक क्लर्क और दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद जून 2022 से रिक्त हैं।

वसुंधरा राजे ने कहा मुख्यमंत्री बनना मेरे हाथ में है क्या?

कार्यकर्ता ने कहा, मैडम आपके ही हाथ में है

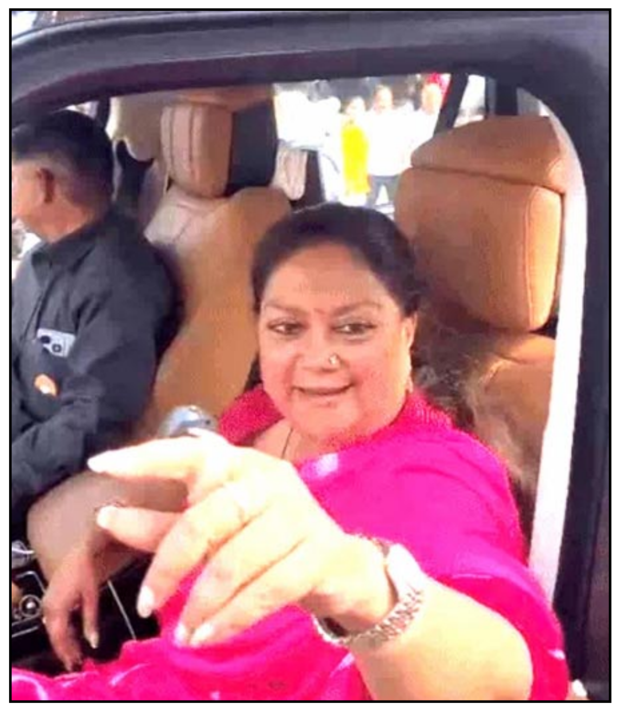

पाली (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से सादड़ी (पाली) में भाजपा कार्यकर्ता ने कहा कि मैडम, आप दोबारा सीएम बन जाओ। इस पर वसुंधरा ने दोनों हाथ दिखाते हुए कहा मेरे हाथ में है क्या? भाजपा कार्यकर्ता, राजे की बात ठीक से नहीं सुन पाए। यह बात वसुंधरा समझ गईं। उन्होंने दोबारा कहा कि मेरे हाथ में है क्या? और मुस्कुराने लगीं। इस पर कार्यकर्ता ने फौरन कहा कि आपके ही हाथ में है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सोमवार को जिले के बाली कस्बे के बारवा गांव गई थीं। यहां एक परिचित शिक्षक नरपत सिंह राजपुरोहित की बेटी का विवाह समारोह था। वसुंधरा राजे ने नव दंपती को आशीर्वाद दिया। विवाह समारोह में जाते समय रास्ते में उनका काफिला सादड़ी (पाली) में रुका था। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। सादड़ी के आखरिया चौक पर बीजेपी के मंडल अध्यक्ष गोविंद मीणा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की भीड़ लग गई। महिला कार्यकर्ता भी वसुंधरा राजे को देखने पहुंचीं। वहां गाड़ी रोककर राजे ने कार्यकर्ताओं से बात की। कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से उनका सम्मान किया। साथ ही चुनरी भी ओढ़ाई। गाड़ी में बैठीं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का एक बुजुर्ग महिला ने हाथ पकड़ा और उनके कान में कुछ कहा। इस पर वसुंधरा राजे मुस्कुराने लगीं। इस दौरान बुजुर्ग महिला ने एक बार फिर राजे से हाथ मिलाया और दूसरा हाथ भी उनके हाथ पर रखा। इसी बीच भाजपा कार्यकर्ता ने वसुंधरा राजे से दोबारा सीएम बन जाने की बात कही। सादड़ी भाजपा मंडल के मंत्री अनिल बोहरा ने कहा कि जब पूर्व सीएम यहां (सादड़ी) पहुंचीं, तब मैंने अपनी इच्छा जाहिर की। वसुंधरा राजे दो बार सीएम रहीं। दोनों बार उनका कार्यकाल अच्छा था। प्रशासन पर उनकी पकड़ रही। जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं की वे पहले सुनवाई करती थीं। मैंने निवेदन किया आपको एक बार फिर सीएम बनना चाहिए। उन्होंने हंसकर कहा कि मैं जनता के साथ हूं, सीएम बनाना राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के अधिकार क्षेत्र में है। उधर, वसुंधरा राजे के आने की सूचना पर पूर्व मंत्री अचला राम मेघवाल भी आखरिया चौक पहुंचे थे। भैरोंसिंह शेखावत की सरकार में अचला राम राज्य मंत्री रहे थे। वे देसूरी से तीन बार विधायक रहे। फिलहाल सादड़ी (पाली) कस्बे में रहते हैं। वसुंधरा राजे अचला राम से मिलीं और हालचाल पूछा।

दिल्ली चुनाव के मद्देनजर सवेतन अवकाश घोषित

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का ऐलान किया है जिनके वोट दिल्ली में है। सरकार के ऐलान से उन लोगों को लाभ मिलेगा जिनके वोट तो दिल्ली में हैं और वह काम करने के लिए रोजाना हरियाणा में आते हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव 5 फरवरी को होंगे और मतों की गिनती 8 फरवरी को होगी। सरकार ने इस संबंध में जारी आदेशों के अनुसार सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, बोर्डों और निगमों में 5 फरवरी को सवेतन अवकाश घोषित किया है। इस अवकाश से राज्य सरकार के कर्मचारियों, जो दिल्ली के पंजीकृत मतदाता हैं, को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिलेगा। आदेशों के अनुसार पराक्रम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 25 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1996 में संशोधित) की धारा 135-बी के तहत यह प्रावधान उन कर्मचारियों पर लागू होता है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के पंजीकृत मतदाता हैं, जिससे उन्हें आम चुनाव में अपना वोट डालने की अनुमति मिलती है।

प्रदेशभर में एक ही समय पर हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। सूर्योपासना के महापर्व सूर्य सप्तमी के विशेष अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रदेशभर के राजकीय व निजी विद्यालयों में बच्चे, शिक्षक व आमजनों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर भारतीय पारंपरिक योग प्रणाली द्वारा स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया। शिक्षा एवं पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर ने सूर्य नमस्कार कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा कि इस शुभ अवसर पर हमारी सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालयों के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कार्यरत कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह आयोजन योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। मेरा आप सभी से विनम्र आग्रह है कि प्रतिदिन सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक उन्नति एवं सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। नियमित सूर्य नमस्कार से जीवन में स्फूर्ति, चेतना एवं दृढ़ संकल्प का विकास होता है। हम सब मिलकर इस प्राचीन भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाएं और एक स्वस्थ राजस्थान, विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना योगदान दें। उल्लेखनीय है की पिछले वर्ष राज्य में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को देखते हुए इस बार के आयोजन में अधिक उत्साह रहा। राज्य के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में प्रातः 9 बजे एक साथ सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने एसएमएस स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार किया। पिछली बार आयोजन में 78, 974 विद्यालयों के 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस बार सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूल स्टाफ, एसएमसी, एसडीएमसी के सदस्यों के साथ अभिभावक एवं आमजन भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बने। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देशानुसार इस बार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को भी सूर्य नमस्कार का भागीदार बनाया गया। छोटे बच्चों को यथा शक्ति सूर्य नमस्कार के दो से तीन चरण ही कराए गए। क्रीड़ा भारती संस्था ने सूर्य नमस्कार में सभी विद्यालयों एवं शिक्षक संस्थाओं का सहयोग किया।

परिवहन मंत्री विज ने सीएम नायब सैनी के खिलाफ खोला मोर्चा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में अपनी ही सरकार के खिलाफ परिवहन मंत्री अनिल विज ने मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी पर सीधे निशाना साधा। अनिल विज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी के करीबी मित्रों पर उन्हें चुनाव में हराने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों का सहयोग करने का आरोप लगाया है। अनिल विज बीती 30 जनवरी से अपनी ही सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोले हुए हैं। विज ने पहले अफसरशाही पर निशाना साधते हुए जिला स्तरीय खुला दरबार लगाने तथा जिला शिकायत निवारण कमेटियों की बैठक में भाग लेने से इनकार कर दिया। रविवार को अनिल विज ने भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के इस्तीफे की मांग करते हुए यहां तक बोल दिया कि 376 का आरोपी किस तरह से महिलाओं की बैठक ले सकता है। रविवार को गोहाना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनिल विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के खिलाफ भी मोर्चा खोलने का संकेत दिया था। आज ठीक वैसा ही हुआ। विज अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए उसके नीचे लिखा। गद्दार, गद्दार, गद्दार। विज ने आशीष तायल नामक युवक के बहाने मुख्यमंत्री नायब सैनी पर निशाना साधा। विज ने लिखा कि आशीष तायल जो खुद को नायब सैनी का मित्र बताते हैं उनकी फ़ेसबुक पर नायब सैनी के साथ अनेकों चित्र मौजूद हैं। आशीष तायल के साथ विधानसभा चुनाव के दौरान जो कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं, वही कार्यकर्ता चित्रा सरवारा भाजपा की विरोधी उम्मीदवार के साथ भी नजर आ रहे हैं। विज ने सीएम सैनी को टैग करते हुए लिखा है कि ये रिश्ता क्या कहलाता है...? तायल आज भी नायब सैनी के परम मित्र बने हुए हैं, तो फिर प्रश्न उठता है कि भाजपा उम्मीदवार की मुखालफत किसने करवाई...?। विज ने इस ट्वीट के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सैनी पर आरोप लगाया कि चुनाव में कथित तौर पर सैनी के इशारे पर ही उनका विरोध किया गया।

मनरेगा के तहत लाभार्थी की निजी भूमि पर पशु आश्रय का हो सकता है निर्माण

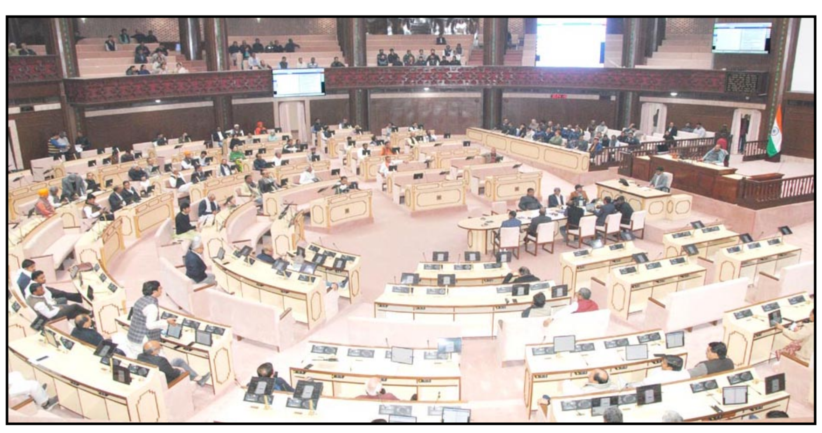

जयपुर (हिंस)। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत अनुमत कार्यों की श्रेणी बी के तहत पशुपालन के लिए बकरी आश्रय, शूकर आश्रय एवं कुक्कुट आश्रय आदि का निर्माण लाभार्थी की निजी भूमि पर कराने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनजाति वर्ग के पशुपालकों को पशुधन के रख-रखाव के लिए टीनशेड निर्माण के लिए आर्थिक स्वीकृति देने की कोई योजना विभाग में संचालित नहीं है। प्रश्नकाल के दौरान खराड़ी इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणा के तहत प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना के माध्यम से पशुपालन विभाग द्वारा फॉरेस्ट राइट एक्ट के तहत जनजाति वर्ग के पट्टा धारकों को भेड़, बकरी, सूअर एवं मुर्गीपालन विकास के लिए अनुदान दिया जाएगा। इससे पहले विधायक गोपीचंद मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनजाति वर्ग के पशुपालकों को पशुधन खरीदने एवं पशुधन के रख-रखाव के लिए टीनशेड निर्माण के लिए जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा नियम प्रावधान बनाकर आर्थिक स्वीकृति देने की वर्तमान में कोई योजना विभाग में संचालित नहीं है। उन्होंने बताया कि पशुपालकों को पशुधन खरीदने एवं पशुधन के रख-रखाव के लिए टीनशैड निर्माण कराने का प्रस्ताव पशुपालन विभाग के माध्यम से प्राप्त होने पर उनकी आवश्यकता, बजट की उपलब्धता एवं उपादेयता के आधार पर परीक्षण कर विचार किया जा सकेगा।

मानवता की भलाई के लिए कार्य करती है रेडक्रॉस : प्रो. नरसी राम

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की दस सदस्यीय टीम जिला स्तरीय रेडक्रास प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। यह शिविर सात फरवरी तक हिसार के राजकीय महाविद्यालय होगा। भाग लेने वाली टीम के विद्यार्थी सोमवार सुबह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई से मिले। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कुलपति ने यूथ रेडक्रॉस टीम को शुभकामनाएं दी तथा शिविर में अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेडक्रास मानवता की भलाई के लिए कार्य करती है। रेडक्रास के स्वयंसेवकों का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है। कुलसचिव विनोद छोकर ने भी स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया। विश्वविद्यालय के युथ रेडक्रॉस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय की रेडक्रॉस टीम समय-समय पर राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेती रहती है।

माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में तीस जोड़े बंधे परिणय-सूत्र में

जयपुर (हिंस)। लाल जोड़े में सजी धजी युवतियां और सेहरा सजाए युवक। साथ ही विशाल पांडाल और उसमें गूंजते विवाह के मंत्र। मौका था आयोजित जयपुर जिला माली की (सैनी) समाज का 31वां सामूहिक विवाह सम्मेलन का। जयपुर जिला माली (सैनी) समाज संस्था का 31वां सामूहिक विवाह सम्मेलन में तीस जोड़े बंधे परिणय-सूत्र में बंधे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले बहु उपयोगी भवन सायपुरा सांगानेर जयपुर में हुआ। जयपुर जिला माली सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष रोशन सैनी ने बताया कि बसंत पंचमी के अबूझ सावे पर जयपुर जिला माली सैनी समाज संस्था की ओर से आयोजित 31वें सामुहिक विवाह सम्मेलन में तीस जोड़े परिणय सूत्र में बंधे है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी टाकड़ा व विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रवक्ता अशोक सैनी भादरा रहे। अध्यक्ष रोशन सैनी ने बताया संपूर्ण भोजन व्यवस्था माली सैनी समाज सांगानेर की ओर से की गई। इसके अलावा आचार्य विद्वानों द्वारा विधि-विधान से फेरों की रस्म पूरी की गई। संस्था की ओर से भामाशाहों व समाज बंधुओं का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। जयपुर जिला माली (सैनी) समाज संस्था के मुख्य संरक्षक ओम राजोरिया ने इस दौरान कहा है कि संस्था की ओर से किए जा रहे सामुहिक विवाह में पढ़े लिखे युवक युवतियों ने भी उत्साह दिखाया है। जिससे फिजूलखर्ची पर लगाम लगाई जा सके। सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारा बढ़ता है। इसके साथ ही फिजूलखर्ची पर भी अंकुश लगता है। इसके साथ ही समाज को साथ लेकर चलना ही समाज के प्रतिनिधियों का पहला दायित्व होना चाहिए।

दुनिया भर से आए भक्तों ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ मेला मानवता का महापर्व है जो दुनिया भर से आए श्रद्धालुओं का अभिनन्दन कर रहा है। परमार्थ निकेतन शिविर में साध्वी भगवती सरस्वती के दिव्य मार्गदर्शन में दुनियां भर के विभिन्न हिस्सों से आए भक्तों ने संगम के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई। यह दृश्य वसुधैव कुटुम्बकम् (पूरी दुनिया एक परिवार है) का संदेश दे रहा है। साध्वी भगवती सरस्वती के साथ दुनिया भर के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाते हुए कहा कि भारत की आध्यात्मिकता और यहां की संस्कृति बहुत ही विशेष है। यहां आकर एक नई ऊर्जा और शांति मिली रही हैं। भारत में विविधता और एकता का अद्भुत संगम है, वह कहीं और नहीं देखने को मिलता। साध्वी ने कहा कि भारत की संस्कृति ने हमेशा से सभी को स्वीकार किया है और यही संदेश महाकुंभ मेला की इस पवित्र धरती पर स्पष्ट दिखायी दे रहा है। महाकुंभ मेला का यह अद्भुत दृश्य हम सभी को यह संदेश देता है कि हम चाहे कहीं से भी हों, हमारी श्रद्धा और आस्था ही हमें एक साथ जोड़ती है। यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं ने चाहे वह भारत के हों या विदेश से आए हों। सभी ने संगम के जल में डुबकी लगाकर एक साथ यह संदेश दिया कि धर्म, संस्कृति और भक्ति का कोई रंग, जाति या सीमा नहीं होती।

बीएसएफ ने किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के पास सीमा पर बांग्लादेश के निर्माण कार्य को रोका

किशनगंज (हिंस)। बांग्लादेश कंगाली की ओर जा रहा है। महंगाई और बिजली की कमी से उसकी अकड़ भी ढीली पड़ गई है लेकिन, कई बार वह गुस्ताखी करने से भी नहीं चूक रहा है। खास तौर पर भारत की सीमा से सटे क्षेत्रों में वह अपनी नापाक हरकतें कर रहा है। ऐसी ही एक मामला बिहार के किशनगंज से सटे भारत-बांग्लादेश की सीमा पर दिखा। हालांकि, बीएसएफ के कड़े रुख से बांग्लादेश की बीजीबी ने गलती मान ली और भविष्य में ऐसी गुस्ताखी नहीं करने का आश्वासन भी दिया। गौर करे कि भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 गज की भीतर रक्षा संबंधी निर्माण कार्य पूरी तरह से प्रतिबंधित है लेकिन, किशनगंज से लगे भारत बांग्लादेश बॉर्डर से कुछ ही दूरी पर प्रतिबंधित क्षेत्र में बांग्लादेशी अवैध निर्माण कर रहे थे। इस पर सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश के सुरक्षा गार्डों से आपत्ति जताई और तत्काल ही निर्माण कार्य को बंद करने को कहा। किशनगंज बीएसएफ हेडक्वार्टर के भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पश्चिम बंगाल स्थित सीमालडांगी बीओपी क्षेत्र में बीएसएफ की 63वीं बटालियन के जवानों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। इसके बाद बांग्लादेशी बीजीबी ने अपने कार्य के लिए गलती मानी और निर्माण कार्य रुकवा दिया। जानकारी के अनुसार, यह निर्माण कार्य किशनगंज से सटे ठाकुर गांव में सीमा के 150 गज के भीतर ही कराया जा रहा था। जब इस अवैध निर्माण को बीएसएफ की गश्ती टीम ने देखा तो बांग्लादेशियों को चेतावनी दी। उनको बताया गया कि कालिक नदी के तटबंध के साथ जीरो लाइन से 150 गज के अंदर वह किलाबंदी कर रहे हैं, जो कि प्रतिबंधित क्षेत्र है। यह इलाका बांग्लादेश के गोविंदपुर में आता है और रात के अंधेरे में चोरी छिपे निर्माण कराया जा रहा था। लेकिन, 150 मीटर के दायरे में कराए जा रहे निर्माण कार्य पर बीएसएफ के सख्त रूप से बांग्लादेशियों ने निर्माण कार्य रोक दिया और भविष्य में गलती नहीं दोहराने की बात कही। गौर करे कि भारत-बांग्लादेश के संयुक्त दिशा-निर्देशों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 गज के भीतर रक्षा संबंधी निर्माण कार्य प्रतिबंधित है। ऐसे में जैसे ही बीएसएफ की 63वीं बटालियन की पेट्रोलिंग टीम की नजर इस निर्माण पर पड़ी तो बीएसएफ ने बांग्लादेशी बीजीबी के अधिकारियों के सामने निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति जताई और तुरंत अवैध निर्माण को रुकवा दिया। बीएसएफ ने बताया कि किसी कारण से बांग्लादेश बीजीबी के द्वारा जीरो लाइन के अंदर किलेबंदी का काम की जानकारी नहीं मिल पायी, लेकिन जिस तरह से निर्माण कार्य कर रहे हैं उससे कई अंदाजा लगाया जा सकता है कि बांग्लादेश की नीयत क्या है। बीएसएफ की सख्ती के कारण फिलहाल काम को रोक दिया गया है और जवानों की पैनी नजर पूरे बॉर्डर क्षेत्र पर बनी हुई है।

शादी रचाकर महिला पुलिसकर्मी को थप्पड़ जड़ने वाला दरोगा निलंबित

नवादा (हिंस)। नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने 2020 बैच के प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर सचिन कुमार को सोमवार को निलंबित कर दिया है। उनके निलंबन का आदेश गोपनीय शाखा द्वारा जारी किया गया है। सचिन कुमार को लाइन क्लोज कर दिया गया है। उन पर एक महिला कांस्टेबल के साथ शादी रचाने के बाद मारपीट करने एवं पुलिस की छवि धूमिल करने के आरोप हैं। सचिन वर्तमान में नरहट थाने में पदस्थापित हैं। इससे संबंधित एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एसआई व महिला कांस्टेबल दोनों नवादा स्थित शिव मंदिर में शादी के तुरंत बाद मारपीट कर रहे थे। महिला कांस्टेबल द्वारा शादी का वीडियो तैयार करने पर एसआई भड़क गया और महिला कांस्टेबल को एक करारा थप्पड़ मंदिर परिसर में ही जड़ दिया। वायरल वीडियो मामले में एसपी अभिनव धीमान द्वारा जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के बाद एसआई सचिन कुमार को निलंबित कर दिया गया है। एसपी अभिनव धीमान द्वारा एसआई की निलंबन की पुष्टि की गई है। नवादा में दारोगा और सिपाही ने लव मैरिज कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि शादी के बाद दारोगा अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ मंदिर में ही मारपीट करने लगा। दारोगा ने नई नवेली दुल्हन को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दारोगा सचिन कुमार नरहट थाना और महिला सिपाही सुमन कुमारी महिला थाना नवादा में पदस्थापित हैं। दोनों काफी समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे और अंत में दोनों ने शादी करने का निर्णय ले लिया। इसके तहत दोनों शहर के पार नवादा में स्थित शोभनाथ मंदिर में पहुंचे और हिन्दू रीति-रिवाज से शादी की गई। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। लेकिन मामला तब तूल पकड़ लिया, जब दारोगा शादी के दौरान शादी का वीडियो तैयार करते देख भड़क गए और मंदिर परिसर में ही अपनी नई नवेली दुल्हन से उलझने लगे। दुल्हन को दारोगा ने मंदिर परिसर में भीड़ के बीच करारा थप्पड़ जड़ दिया था। दरोगा सचिन मुंगेर जिला के धरहरा थाना क्षेत्र निवासी लालचंद यादव का पुत्र हैं जबकि महिला सिपाही सुमन कुमारी कटिहार जिले के कुरसेला इलाके की रहनेवाली है ।

जनवरी में कोयला उत्पादन में तेजी, कैप्टिव वाणिज्यिक खदानों का मजबूत योगदान

नई दिल्ली

देश का कोयला क्षेत्र मजबूती के साथ विकास के मार्ग पर अग्रसर है। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान उत्पादन और ढुलाई दोनों में निरंतर वृद्धि हुई है। ये आंकड़े निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में इस क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करते हैं।

कोयला मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि जनवरी 2025 में कुल कोयला उत्पादन 104.43 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 100.05 मीट्रिक टन से 4.38 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 के लिए कैप्टिव, वाणिज्यिक और अन्य संस्थाओं का योगदान विशेष रूप से मजबूत रहा है। इसका उत्पादन बढ़कर 19.68 मीट्रिक टन हो गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 15.01 मीट्रिक टन से 31.07 फीसदी अधिक है।

जनवरी 2025 तक उत्पादन में 5.88 फीसदी और ढुलाई में 5.73 फीसदी की वृद्धि

बयान के मुताबिक जनवरी 2025 तक संचयी कोयला उत्पादन 830.66 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 784.51 मीट्रिक टन से 5.88 फीसदी अधिक है। इसी तरह कोयला ढुलाई भी इस वृद्धि के अनुरूप रहा। जनवरी 2025 के दौरान कुल कोयला प्रेषण 92.40 मीट्रिक टन रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 86.92 मीट्रिक टन से 6.31 फीसदी अधिक है।

जनवरी 2025 में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं से कोयला ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13.64 मीट्रिक टन की तुलना में उछलकर 17.72 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो 29.94 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके साथ ही जनवरी 2025 तक संचयी कोयला ढुलाई बढ़कर 843.75 मीट्रिक टन हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान दर्ज 798.02 मीट्रिक टन से 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

मौद्रिक नीति समिति रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कर सकती है कटौती

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में इस हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती होने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी बैठक 5 से 7 फरवरी तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को बैठक के नतीजे का ऐलान करेंगे। वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे ने एक दिन पहले रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह समय ब्याज दरों में कटौती के लिए सही है। उन्होंने कहा कि सरकार राजकोषीय नीति के साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है, जबकि महंगाई में घरेलू और बाहरी स्तर पर गिरावट आई है। क्या होता है रेपो रेट रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंको को कर्ज देता है। इस दर में कटौती होने से बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की दरें भी घटती हैं। रेपो रेट की दर फरवरी, 2023 से 6.50 फीसदी पर यथावत बनी हुई है। रिजर्व बैंक यदि इस बार 0.25 फीसदी की कटौती करता है, तो यह 6.25 फीसदी हो जाएगी।

बजट के बाद कच्चा तेल महंगा, बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 76.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है तो क्रूड का भाव 73.80 डॉलर प्रति बैरल है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। हालांकि, ज्यादातर शहरों में कीमतें स्थिर हैं लेकिन कुछ जगहों पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में ईंधन के दाम बढ़े हैं। वहीं राज्यों की बात करें तो मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.68 पैसे प्रति लीटर और छत्तीसगढ़ में 0.64 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। उधर, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और त्रिपुरा समेत कुछ राज्यों में कीमते कम हुई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.90 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.50 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वित्त मंत्री ने घोषित की गिग श्रमिकों के लिए पीएम-जेएवाई की योजना

नई दिल्ली। व्यय सचिव मनोज गोविल ने बताया कि वित्त मंत्रालय श्रम विभाग के साथ परामर्श कर रहा है और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ गिग श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है। गोविल ने बताया कि ई-श्रम मंच पर गिग कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र और पंजीकरण की व्यवस्था की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में घोषणा की थी कि गिग कर्मियों को पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। इससे आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई योजना को बढ़ावा मिलेगा, जिसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। मनोज गोविल ने एक साक्षात्कार में बताया कि वित्त मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श के माध्यम से योजना की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने भी बताया कि गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना की लागत के बारे में गणना की जा रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह निर्णय लिया कि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएगी, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे वृद्ध नागरिकों को भी समाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 319 अंक टूटा

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपने कुछ व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क लगाने और कमजोर वैश्विक रुझानों का असर सोमवार को हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार पर भी दिखा। यही कारण रहा कि दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। इसके साथ ही सेंसेक्स में पिछले पांच कारोबारी दिनों से जारी तेजी थम गई। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 319.22 अंक यानी 0.41 फीसदी टूटकर 77,186.74 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 121.10 अंक यानी 0.52 फीसदी फिसलकर 23,361.05 के स्तर पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 11 शेयरों में तेजी देखने को मिली है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयरो में गिरावट और 15 शेयर में तेजी रही है। इसके अलावा एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.22 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में शामिल लार्सन एंड टूब्रो, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, आईटीसी, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में गिरावट हुई। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति में बढ़त दर्ज हुई है।

इससे पहले शनिवार को बजट पेश होने वाले दिन सेंसेक्स 5.39 अंक यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 77,505.96 पर बंद हुआ था। निफ्टी 26.25 अंक यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 23,482.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

अनुसंधान और विकास को मजबूत करने 20,000 करोड़ का आवंटन

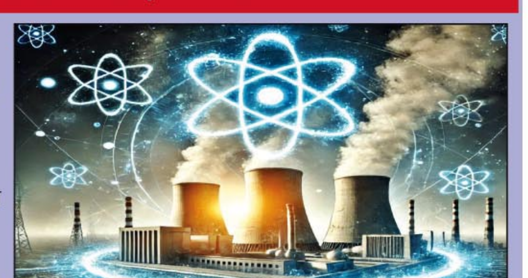

नई दिल्ली। देश के उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बताया कि अनुसंधान को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन केंद्रीय बजट 2025-26 में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आवंटन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 20,000 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है। सरकार द्वारा अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना के लिए भी ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें अगले पांच वर्षों में 50,000 ऐसे लैब्स की स्थापना की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य है युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना। इस स्वर्णिम आवंटन का लाभ निजी व सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान, कृत्रिम मेधा और भू-स्थानिक पहलों के विस्तार और नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा देने में मिलेगा। इसके साथ ही कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना और एआई-संचालित शिक्षा में 500 करोड़ रुपये के निवेश से भविष्य के लिए कार्यबल की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस आवंटन के माध्यम से भारत को गहन प्रौद्योगिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और देश को वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

किआ साइरोस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च

नई दिल्ली

भारत में किआ मोटर्स इंडिया कंपनी ने अपनी बहुप्रतीक्षित किआ साइरोस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च कर दी है। किआ की इस सब कॉम्पैक्ट एसयूवी की कीमत 9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। वहीं इसके टॉप मॉडल की कीमत 17.80 लाख रुपये है।

यह कीमक कार बेस एचटीके पेट्रोल मॉडल की है। इस कीमत में आपको टॉप स्पेक डीजल एटी वेरियंट मिलने वाला है। ये वेरियंट अडास से लैस है। कंपनी ने इस कार के लिए 3 जनवरी को बुकिंग्स ओपन कर दी थी। इसके 25,000 रुपये का टोकन अमाउंट तय किया गया था। इस कार के लिए डिलिवरी मिड फरवरी से शुरू होंगी।

इस कार के टॉप वेरियंट में अडास पैकेज उपलब्ध है जो कि ऑप्शनल है। यानी अगर आपको इस फीचर की जरूरत नहीं है तो आपको इसके लिए पे नहीं करना होगा। अगर आप अडास पैकेज चुनते हैं तो आपको 80,000 तक ज्यादा प्राइस पे करना होगा।

ये फीचर आपको टॉप स्पेक एचटीएक्स प्लस ट्रिम में मिलेगा। साइरोस दो इंजन विकल्पों के साथ आता है जिन्हें मैनुअल या ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। पेट्रोल सिरोस खरीदारों को 120एचपी, 172एनएम, 1.0-लीटर 3-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल यूनिट मिलती है।

डीजल सिरोस 116एचपी, 250एनएम, 1.5-लीटर 4-सिलेंडर इंजन मिलता है। दोनों इंजनों के लिए 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड हैं; खरीदार पेट्रोल वेरिएंट के साथ 7-स्पीड डीसीटी और डीजल वेरिएंट के साथ 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर का विकल्प चुन सकते हैं।साइरोस का डिज़ाइन ईवी9 और ईवी3 जैसी ग्लोबल किआ एसयूवीएस से लिया गया है, जो केवल 4 मीटर से कम माप वाली टॉलबॉय बॉडी में पैक की गई हैं। टॉप-स्पेक वेरिएंट में, 17 इंच के अलॉय व्हील्ज का इस्तेमाल किया गया है।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में छह महीने के उच्च स्तर पर

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जनवरी में छह महीने में उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिसमें निर्यात में 14 वर्षों की सबसे तेज वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान है। एक मासिक सर्वेक्षण अनुसार एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 57.7 हुआ जो दिसंबर के 56.4 के मुकाबले उच्च है। इस स्थिति में उत्पादन गतिविधियों में विस्तार का संकेत है जो नए निर्यात ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि को प्रेरित करता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने इस वृद्धि को उत्साहपूर्ण माना और कहा कि घरेलू और निर्यात मांग के समृद्ध होने से यह अच्छे संकेतों का सामना कर रहा है। कंपनियों ने नए ऑर्डरों के साथ मजबूत वृद्धि देखी है और भविष्य में भी उत्पादन की संभावनाओं में आशा जताई है। इस उत्साहित माहौल में लागत दबाव नीचे आ गया है जबकि बिक्री मूल्यों में मजबूती आई है।

यूरोपियाई आयोग की चेतावनी-अमेरिका की शुल्क नीति पर कड़ी प्रतिक्रिया

चीन, कनाडा, और मैक्सिको जैसे देशों ने भी भारी शुल्कों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की

ब्रुसेल्स

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तीन देशों पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) की घमासान स्थिरता को हिला देने के साथ-साथ यूरोपीय आयोग ने इस पर आलोचना की है। आयोग ने कहा कि यह कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित करता है और सभी के लिए नुकसानदायक है। यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रवक्ता ने दोषपूर्ण शुल्क लगाने के फैसले का खेद जताया और चेतावनी दी है कि अगर ईयू को निशाना बनाया गया तो वह भी जवाब देगा। उन्होंने खुली व्यापार व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के पालन को आर्थिक विकास के लिए जरूरी बताया। इस विवाद में अमेरिका का कदम महंगाई में इजाफा होने का अंदेशा देता है जिससे सभी पक्षों को नुकसान पहुंच सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहाँ तक कहा है कि वह यूरोपीय संघ के उत्पादों पर और शुल्क लगाएगा, जिससे विपक्षी मुद्राएं उठाने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप चीन, कनाडा, और मैक्सिको जैसे देशों ने भी भारी शुल्कों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की घोषणा की है। इस भूखंड पर उबाऊ विरोध के साथ, बहुत सारे देश व्यापारिक संबंधों में समिक्षात्मक माहौल में उलझे हैं।

एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत और मैक्सिको व कनाडा से आने वाली वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया गया। इस कदम का व्यापक विरोध हुआ और कई देशों ने जवाबी कार्रवाई की। इसके जवाब में, चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराएगा और अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घोषणा की कि मंगलवार से अमेरिका से आयातित 21 अरब डॉलर की वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने भी अपने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे देश के हितों की रक्षा के लिए शुल्क और अन्य व्यापारिक उपाय अपनाएं।

बजट के बाद सोने-चांदी की कीमतों में आई भारी गिरावट

सोना 82,150 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 92,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली

आम बजट पेश होने के बाद इस सप्ताह पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। पिछले महीने सोने के वायदा भाव नए रिकॉर्ड बनाये थे। इस समय सोने के वायदा भाव 82,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 404 रुपये की गिरावट के साथ 81,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 162 रुपये की गिरावट के साथ 82,142 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 82,284 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 81,862 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 82,600 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 515 रुपये की गिरावट के साथ 92,699 रुपये पर खुला। इस समय यह 342 रुपये की गिरावट के साथ 92,872 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 93,391 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 91,725 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं वैश्विक: बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,846.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,835 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 27.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,807.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.46 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.26 डॉलर था। हालांकि इस समय यह 0.56 डॉलर की गिरावट के साथ 31.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ओला इलेक्ट्रिक ने लांच की तीसरी पीढ़ी की एस1 रेंज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी तीसरी पीढ़ी की एस1 रेंज लॉन्च की है। इन स्कूटर्स की शुरुआती कीमत 79,999 रुपये रखी गई है, जो इंट्रोडक्टरी प्राइस है। इस नई रेंज के तहत एस1 एक्स, एस1 एक्स प्लस, एस1 प्रो और एस1 प्रो प्लस मॉडल्स पेश किए गए हैं। कुछ समय के लिए यह स्कूटर सस्ते दाम में उपलब्ध होंगे, जिसके बाद कंपनी इनकी कीमत बढ़ा सकती है। ओला के ये नए स्कूटर पिछली जनरेशन के मॉडल्स को रिप्लेस करेंगे और बेहतर परफॉर्मेंस व नई तकनीक के साथ आएंगे। लॉन्चिंग के दौरान, ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर भाविश अग्रवाल ने कहा कि पहली पीढ़ी के स्कूटर्स के जरिए कंपनी ने देश में ईवी क्रांति की शुरुआत की थी। दूसरी पीढ़ी में हर प्राइस रेंज के ग्राहकों के लिए स्कूटर पेश किए गए थे। अब तीसरी पीढ़ी के स्कूटर्स के साथ ओला ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट को नए मुकाम तक ले जाने की योजना बना रही है। ओला का दावा है कि जेन-3 स्कूटर्स बेजोड़ परफॉर्मेंस और बेहतर क्षमता के साथ आएंगे, जिससे इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कंपनी ने इस लॉन्च के साथ अपकमिंग मूव ओएस 5 बीटा की भी घोषणा की है, जो स्कूटर्स को और अधिक स्मार्ट बनाएगा।

कबड्डी में उप्र की टीम ने जीता स्वर्ण, निदेशक व ओलंपिक संघ के महासचिव सहित खेल प्रेमियों ने दी बधाई

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में फुर्ती, रणनीति और शानदार टीमवर्क के सहारे बेहतरीन धमाल मचाते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के लिए दूसरा स्वर्ण योगासन में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में प्रवीण कुमार पाठक ने जीता। इस सफलता पर उत्तर प्रदेश के खिखाड़ियों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने कहा कि इस समय शासन स्तर से खिलाड़ियों को मिल रहे प्रोत्साहन का असर दिख रहा है। आगे चलकर प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा में और अधिक निखार आएगा। उप्र के युवा वर्ग में खेल के प्रति उत्साह बढ़ा है। वहीं खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने कहा कि उप्र में खिलाड़ियों में ऊर्जा बनी रहे। उनको किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ध्यान शासन स्तर से विशेष रूप से देखा जा रहा है।

योगासन के आर्टिस्टिक महिला पेयर में आर्यांशी स्वामी व सिमरन की जोड़ी ने रजत पदक जीता। वहीं महिला टीम इवेंट में उत्तर प्रदेश की स्क्वाश टीम को कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने रविवार को 2 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य पदक जीते। इसी के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खेल में अब तक 6 स्वर्ण, 4 रजत व 5 कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक के साथ तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है हरिद्वार में आयोजित कबड्डी के मुकाबलो में पुरुष कबड्डी के फाइनल में उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को रोमांचक मैच में 57-43 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ यूपी ने चंडीगढ़ से पूल मैच में मिली हार का बदला ले लिया। इससे पहले सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने सर्विसेज' की बेहद मजबूत टीम को 43-42 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। उत्तर प्रदेश की पुरुष कबड्डी टीम ने राष्ट्रीय खेल में दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले यूपी ने 36वें राष्ट्रीय खेल-2022 में स्वर्ण पदक जीता था।अल्मोड़ा में आयोजित योगासन की स्पर्धा में आर्टिस्टिक पुरुष एकल में उत्तर प्रदेश के प्रवीण कुमार पाठक ने 118.91 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

टाटा स्टील मास्टर्स 2025: प्रज्ञानानंद ने टाईब्रेक में गुकेश को हराकर खिताब जीता

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड्स)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 का खिताब जीत लिया। उन्होंने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाईब्रेक मुकाबले में हराकर यह गौरव हासिल किया। रविवार को खेले गए अंतिम (13वें) राउंड में प्रज्ञानानंद को जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन कीमर ने उन्हें पराजित कर दिया। इस बीच, गुकेश, अर्जुन एरिगैसी से हार गए, जिससे खिताबी मुकाबला टाईब्रेक में चला गया। टाईब्रेक का रोमांचक मुकाबला टाईब्रेक के पहले गेम में गुकेश ने शानदार खेल दिखाया और प्रज्ञानानंद की गलती का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। दूसरे गेम में प्रज्ञानानंद ने ट्रॉम्पोव्स्की ओपनिंग का उपयोग किया और गुकेश की त्रुटि का लाभ उठाते हुए मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सडन डेथ मुकाबला हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने सफेद मोहरों से खेलते हुए धैर्यपूर्वक खेल दिखाया। एक समय गुकेश ने बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंतिम क्षणों में की गई गलतियों के कारण वे हार गए और प्रज्ञानानंद ने अपना पहला टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीत लिया। गुकेश लगातार दूसरी बार टाईब्रेक में हारे गुकेश के लिए यह लगातार दूसरा वर्ष था जब वे पहले स्थान पर रहे लेकिन टाईब्रेकर में हार गए। पिछले साल वे चीन के वेई यी से पराजित हुए थे।

डब्ल्यूपीएल : चोटिल एलिसा हीली की जगह चिनेल हेनरी यूपी वारियर्स की टीम में शामिल

नई दिल्ली। यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू) ने टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के आगामी संस्करण के लिए एलिसा हीली की जगह चिनेल हेनरी को चुना है। हीली चोट के कारण टाटा डब्ल्यूपीएल के तीसरे सत्र से बाहर हो गई थीं। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने वाली हेनरी ने अब तक 62 टी-20 आई खेले हैं और उनके नाम 473 रन और 22 विकेट दर्ज हैं। वह 30 लाख रुपये में यूपीडब्ल्यू में शामिल हुई हैं। इस बीच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोफी डिवाइन और केट क्रॉस की जगह हीथर ग्राहम और किम गर्थ को चुना। निजी कारणों से डिवाइन और क्रॉस टाटा डब्ल्यूपीएल 2025 में नहीं खेलेंगी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्राहम ने 5 टी-20 आई खेले हैं और उनमें से 8 विकेट अपने नाम किए हैं। गर्थ ने 56 वनडे और 4 टेस्ट के अलावा 59 टी-20आई में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 764 रन और 49 विकेट हैं। गर्थ इससे पहले डब्ल्यूपीएल में गुजरात जायंट्स (जीजी) के लिए खेल चुकी हैं। ग्राहम और गर्थ क्रमशः 30 लाख रुपये में आरसीबी में शामिल हुई।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चार भारतीय शामिल

नई दिल्ली। चार भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2025 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में चुना गया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट गोंगडी त्रिशा हैं, जिन्होंने शीर्ष क्रम में 309 रन बनाए। त्रिशा को फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, उन्होंने गेंद से 15 रन देकर तीन विकेट लिए और फिर नाबाद 44 रन बनाए, जिससे भारत ने नौ विकेट से खिताबी जीत हासिल की। टीम में उनके साथ साथी ओपनर जी कमलिनी भी हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट में 143 रन बनाए, और गेंदबाज आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा भी हैं। वैष्णवी ने टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए, जिसमें बेयुमास ओवल में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के दो विकेट भी शामिल हैं, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है, जबकि 17 वर्षीय आयुषी 14 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। दक्षिण अफ्रीका, जो दो साल पहले सुपर सिक्स चरण से आगे बढ़ने में विफल रहा था, की दो खिलाड़ियों को नामित किया है। 11 विकेट लेने के बाद कायला रेनेके को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि जेम्मा बोथा - जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 24 गेंदों पर 37 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी - को त्रिशा के साथ ओपनिंग के लिए चुना गया है। तेज गेंदबाज नथाबिसेंग निनी को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। इंग्लैंड (जिसे दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने हराया था) की डेविना पेरिन (टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी 176 रन) और विकेटकीपर कैटी जोन्स को भी टीम में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया की काओइमहे ब्रे पांचवें नंबर पर हैं, जबकि मध्यक्रम में नेपाल की कप्तान और ऑलराउंडर पूजा महतो हैं, जिन्होंने 70 रन बनाए और नौ विकेट लिए - जिसमें मलेशिया के खिलाफ नौ रन देकर चार विकेट शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा हेरफेर के आरोप ताइक्वांडो के प्रतियोगिता निदेशक बदले

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में ताइक्वांडो प्रतिस्पर्धा में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद बड़ा फैसला लिया गया है। गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी (जीटीसीसी) ने मनीपुलेशन ऑफ कंपटीशन कमेटी (पीएमसी) की सिफारिशों के आधार पर टी. प्रवीण कुमार को हटाकर एस. दिनेश कुमार को नया प्रतियोगिता निदेशक नियुक्त किया है। जीटीसीसी अध्यक्ष सुनैना कुमारी ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा कि तीन सदस्यीय पीएमसी पैनल की सिफारिशों को स्वीकार करना खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए आवश्यक था।

मैच फिक्सिंग के आरोप और हेरफेर की शिकायतें

पीएमसी समिति ने अपनी जांच में पाया कि पूर्व प्रतियोगिता निदेशक ने कुछ राज्य संघों के पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ मिलकर चयन प्रक्रिया में हेरफेर किया था। इसके अलावा, उन्होंने एक उपकरण विक्रेता को खेल विशिष्ट स्वयंसेवकों के रूप में नामित किया था, जिससे खेल की निष्पक्षता पर सवाल उठे।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने जीटीसीसी के इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, यह चौंकाने वाला है कि राष्ट्रीय खेलों के पदक कथित तौर पर प्रतिस्पर्धा शुरू होने से पहले ही तय कर दिए गए थे। हम एथलीटों के साथ निष्पक्षता बरतने और खेल की छवि खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीएमसी की सिफारिशें और कार्रवाई

शिकायतों को देखते हुए पीएमसी समिति ने चार अहम सिफारिशें कीं:

- 1. प्रतिस्पर्धा निदेशक को बदला जाए - आईओए और जीटीसीसी के परामर्श से एक नया निदेशक नियुक्त किया जाए।
- 2. तकनीकी अधिकारियों की समीक्षा - नामांकित अधिकारियों में से कम से कम 50% को अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त योग्य अधिकारियों से बदला जाए।
- 3. वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य - पूरी प्रतियोगिता की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए और संदिग्ध मामलों में फुटेज संरक्षित किया जाए।
- 4. निगरानी समिति की तैनाती - प्रतियोगिता के दौरान जीटीसीसी द्वारा नामित अधिकारियों की एक टीम स्थल पर मौजूद रहे ताकि हेरफेर की संभावना को रोका जा सके।

विवेक पांडे ने वेटलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर उत्तराखंड का बढ़ाया मान

देहरादून। उत्तराखंड के चंपावत जिले के टनकपुर निवासी विवेक पांडे ने पुरुषों की 109+ किलोग्राम भारवर्ग वेटलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से राज्य में वेटलिफ्टिंग को नई पहचान मिली है। विवेक पांडे के लिए यह सफलता बेहद खास रही, क्योंकि पिछले साल उत्तराखंड ने इस श्रेणी में कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया था। महज दो साल पहले वेटलिफ्टिंग की शुरुआत करने वाले विवेक ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए विवेक ने कहा, मैंने दो साल पहले वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। मेरे कोचेस ने मेरी बहुत मदद की। मैं अपनी इस उपलब्धि का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को देता हूं।

राष्ट्रीय खेलः सिफ्त कौर समरा और जोनाथन एंथनी ने जीता स्वर्ण पदक

देहरादून। उत्तराखंड के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज त्रिशूल हॉल में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में पंजाब की सिफ्ट कौर समरा ने सटीक निशानेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 50 मीटर 3 पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। समरा के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 461.2 अंक दिलाकर प्रतिस्पर्धी फाइनल में शीर्ष स्थान दिलाया। पंजाब की ही उनकी साथी अंजुम मौदगिल ने 458.7 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि तेलंगाना की सुरभि भारद्वाज रापोले ने 448.8 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में देश के कुछ शीर्ष निशानेबाजों ने हिस्सा लिया और यह शुरू से लेकर आखिर तक एक कड़ी टक्कर थी। केरल की विदर्शा विनोद ने नील पोजीशन के बाद बढ़त बनाई, लेकिन अंतिम चरणों में अपनी गति बरकरार नहीं रख सकीं, जिससे समरा आगे निकल गईं। अपनी जीत पर समरा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह ओलंपिक के बाद मेरे लिए वापसी जैसा है। मैंने ब्रेक नहीं लिया और प्रशिक्षण जारी रखा, इसलिए आज स्वर्ण जीतना खास लगता है। मैं अपने रूटीन को निष्पादित करने के तरीके और अंतर पैदा करने वाली छोटी-छोटी बातों से खुश हूं। अंजुम के साथ पोडियम साझा करना भी अद्भुत है, जो एक अविश्वसनीय निशानेबाज हैं। वहीं, रजत पदक जीतने वाली अंजुम मौदगिल ने कहा, यह तीसरा राष्ट्रीय खेल है जिसमें सिफ्ट और मैंने एक साथ पोडियम पर जगह बनाई है। वह एक असाधारण निशानेबाज है और मैं हमेशा से उसकी प्रशंसक रही हूँ। हालाँकि शुरुआत में मेरे स्कोर बहुत अच्छे नहीं थे, लेकिन मुझे पता था कि शांत और केंद्रित रहने से मैं पोडियम तक पहुँच सकती हूँ। यह सबसे अच्छी शूटिंग रेंज रही है जहाँ मैंने प्रतिस्पर्धा की है और आयोजन शानदार रहा है। पुरुषों की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में कर्नाटक के जोनाथन एंथनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। एसएससीबी के रविंदर सिंह ने रजत पदक जीता और उनके साथी गुरप्रीत सिंह ने कांस्य पदक जीता।

यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने जीती वॉलीबाल की शील्ड

प्रयागराज

तहसील मेजा के गांव मिश्रपुर के खेल मैदान पर बालकों की सब जूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता हुई। जिसमें यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह की टीम विजेता घोषित हुई। वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर के सहयोग से डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के तत्वावधान में खेली गई (अंडर-17) बालकों की वॉलीबाल प्रतियोगिता में कुल सात टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर खेल-कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह और वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर के बीच खेला गया। जिसमें यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह ने वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर को 24-26, 25-19 और 25-23 अंकों से हराकर एसोसिएशन की चल वैजंती जीत ली। उप विजेता टीम की ओर से अभिषेक यादव और विजेता टीम की ओर से सौरभ तिवारी का खेल विशेष रूप से सराहनीय रहा।

सब जूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता में वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर बनी उपविजेता

इसके पूर्व खेले गए प्रथम सेमीफाइनल मैच में वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर ने एचआईए.इंटर कॉलेज मेजारोड को 23-25, 25-22 व 25-21 अंकों से हराया। इसी प्रकार से दूसरे सेमीफाइनल मैच में यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह ने भास्कर क्लब महेवा, मांडा की टीम को 20-25, 25-23 व 25-22 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। समापन समारोह मिश्रपुर के पूर्व प्रधान राम सिंह की अध्यक्षता में हुआ। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने पुरस्कार के साथ विजेता टीम यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह के कप्तान को चल वैजंती प्रदान किया।

बुंदेलशगा लीग फुटबॉल

जर्मनी में बुंदेलशगा लीग फुटबॉल में खेलते बेयर्न और लेवरकुशन के खिलाड़ी।

कुलदीप सेन पंजाब किंग्स से जुड़ने पर उत्साहित आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली

पंजाब किंग्स की टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ी कुलदीप सेन, जो आईपीएल 2025 की नीलामी में फ्रैंचाइज़ में शामिल हुए थे, इस चुनौती से उत्साहित हैं और इस सीज़न को अपने और टीम के लिए यादगार बनाना चाहते हैं। बचपन से ही क्रिकेट के दीवाने सेन ने 15 साल की छोटी उम्र में ही इस खेल को खेलना शुरू कर दिया था।

उनकी प्रतिबद्धता और धैर्य ने उन्हें 2022 में भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू करने में मदद की। हालाँकि, शुरुआती प्रशिक्षण के दिनों में, उनकी माँ के अलावा उनके परिवार में किसी को भी नहीं पता था कि वह क्रिकेट खेलते हैं क्योंकि उनके पिता को यह खेल कभी पसंद नहीं था।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने फ्रेंजाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, मेरे परिवार में कोई भी क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। चूंकि मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से आता हूं, इसलिए उन्हें क्रिकेट खेलने, कहां प्रशिक्षण लेना चाहिए आदि के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। सभी को क्रिकेट देखना पसंद था, लेकिन मेरे पिता को यह बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने मेरे खेलने के बाद ही क्रिकेट देखना शुरू किया; अन्यथा, वे प्रशंसक नहीं होते। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार में मेरी मां के अलावा किसी को भी इसके बारे में पता नहीं था।

शुरुआती सालों में आर्थिक तंगी ने कुलदीप के संघर्ष को और बढ़ा दिया; 2019 में घरेलू क्रिकेट के लिए मध्य प्रदेश की टीम में उनके चयन ने न केवल उनके पिता का समर्थन प्राप्त किया, बल्कि उन्हें वित्तीय मदद भी की। तब से, उन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी किया है।

भारत के लिए बुलाए जाने के अपने पल को याद करते हुए, सेन ने कहा, जब मुझे भारत के लिए बुलाया गया, तब मैं एनसीए में था। मुझे नहीं पता था कि मेरा चयन होने वाला है। राजस्थान रॉयल्स में मेरे दोस्त ने मुझे फोन किया और बताया कि मेरा चयन हो गया है। मैं उस समय सो रहा था और मुझे अपने कॉल-अप के बारे में पता नहीं था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच से एक रात पहले मैं सो नहीं सका...मैं मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित भी था। देश के लिए खेलना अभी भी मेरे लिए सबसे अच्छी बात है, और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

सेन अब इस साल आईपीएल में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्होंने खुलासा किया कि यह और भी खास है क्योंकि 2018 में उनका पहला आईपीएल ट्रायल किंग्स के लिए था।

कुलदीप ने आईपीएल नीलामी के अपने पल को याद करते हुए कहा, मैं बैंगलोर में ट्रेनिंग कर रहा था और अपने दोस्तों के साथ बैठा था। नीलामी शुरू होने से पहले ही मुझे यह आभास हो गया था कि मुझे पंजाब किंग्स द्वारा खरीद लिया जाएगा।

माया राजेश्वरन ने एलएंडटी मुंबई ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई

मुंबई

भारत की 15 वर्षीय माया राजेश्वरन ने मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में जारी एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 सीरीज में एक और सनसनीखेज जीत दर्ज की। माया राजेश्वरन ने जेसिका फेला के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 7-6, 1-6, 6-4 से जीत दर्ज करते हुए मुख्य ड्रॉ का टिकट हासिल किया।

माया राजेश्वरन ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने पिछले राउंड में दुनिया की 265वें नंबर की खिलाड़ी निकोल फोसा ह्यूर्गो को हराया था। अब वह मुख्य ड्रॉ का हिस्सा होंगी और पहले दौर में ग्रेट ब्रिटेन की युरिको लिली मियाजाकी से भिड़ेंगी।

युवा टेनिस स्टार स्पेन में राफेल नडाल अकादमी का हिस्सा रही हैं, जबकि दुनिया भर में आईटीएफ जूनियर टूर्नामेंट में भाग ले चुकी हैं। मुख्य ड्रॉ में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के बाद माया ने अपने अब तक के प्रदर्शन पर विचार किया और अपने लक्ष्यों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं क्वालीफाई करने से बहुत खुश थी क्योंकि जब मैंने टूर्नामेंट में प्रवेश किया था तो यह मेरा पहला लक्ष्य था। मेरे लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन अभी के लिए पहला लक्ष्य पूरा हो गया है। उसने तीसरे सेट में मेरी परीक्षा ली, लेकिन मैं जीत कर खुश हूं।

इस 15 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने अपने सफर में मिले सपोर्ट पर भी प्रकाश डाला। माया ने खासतौर पर अपने माता-पिता से मिले सपोर्ट की बात की। उन्होंने कहा, एक बात जिससे मैं वास्तव में खुश हूं, वह यह है कि मेरे पिताजी अक्सर मुझसे परेशान नहीं होते, क्योंकि मैं भारत में टूर्नामेंट नहीं खेलती, लेकिन जब मैं भारत में यात्रा करती हूं, तो वे आते हैं। जब वह मेरे साथ होते हैं तब मैं बहुत खुश होती हूं क्योंकि अगर वे वहां होते हैं, तो मैं वास्तव में अपना सिर नीचे करके ध्यान केंद्रित करती हूं। वे मुझे शांत रहने में मदद करते हैं, इसलिए भले ही मैं बहुत कठिन मैच खेल रही हूं, वे मेरा समर्थन करने के लिए वहां मौजूद रहेंगे। मुझे लगता है कि उस समय मेरा लगभग 100 फीसदी दबाव उन पर जाता है, इसलिए मैं सहज महसूस करती हूं।

एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 सीरीज में क्वालीफाइंग ड्रॉ का हिस्सा बनने के अपने अनुभव पर बात करते हुए माया ने कहा, बहुत अच्छा लगता है। यह कुछ नया नहीं है जो मैं कर रही हूं, लेकिन डब्ल्यूटीए सर्किट में खेलना बहुत बढ़िया लगता है। मैं महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ को भी मुझ पर विश्वास करने और मुझे इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन में वाइल्डकार्ड के रूप में अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

डायलिसिस से बचा सकती है स्टेम सेल थैरेपी

शोधकर्ताओं ने ऐसी चिकित्सा पद्धति ईजाद की है, जिसके प्रयोग से डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण की स्थिति से बचा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पहली बार एंटी स्कैरिंग एजेंट के साथ स्टेम सेल थैरेपी के प्रभाव का अध्ययन किया। इसके माध्यम से किडनी के क्षतिग्रस्त होने के संकेतों को बदलना संभव है। परिपक्व स्टेम सेल सेरेलेक्सिन प्रोटीन से मिलकर क्षतिग्रस्त किडनी को ठीक कर सकता है।

स्पेशल ट्रीटमेंट

कब होती है नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत...

बीते कुछ वर्षों में नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की प्रक्रिया काफी प्रचलित हो गई है। केवल अमेरिका में ही हर साल लगभग 600,000 लोगों की नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जाती है। भारत में भी इसका आंकड़ा काफी बड़ा है। लेकिन आप कैसे जानेंगे कि आपको वाकई नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत है। क्योंकि नी रिप्लेसमेंट से कई जोखिम भी जुड़े होते हैं। इसलिए आपके लिए ये जानना जरूरी होता है कि सर्जरी में कुछ गड़बड़ होने पर आपको किन जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानें नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करने से पहले जान लेने वाली 5 बेहद जरूरी बातें -

रिप्लेसमेंट सर्जरी के साइड इफेक्टः डॉक्टरों के अनुसार घुटनों में अर्थराइटिस होने या फिर किसी चोट आदि से कई बार बेहद मुश्किल स्थिति पैदा हो जाती है और बेहद दर्द होने लगता है। और फिर जैसे-जैसे घुटने जवाब देने लगते हैं, चलना-फिरना, उठना-बैठना, यहां तक कि बिस्तर से उठ पाना भी मुश्किल हो जाता है। तो ऐसे में दोनों घुटनों का नी-रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया जाता है। इस सर्जरी में इसमें जांघ वाली हड्डी, जो घुटने के पास जुड़ती है और घुटने को जोड़ने वाली पैर वाली हड्डी, दोनों के कार्टिलेज काट कर उच्चस्तरीय तकनीक से प्लास्टिक फिट किया जाता है।

एनेस्थीसिया साइड इफेक्ट्स : कुछ बड़ी सर्जरी में बेसुध करने के लिए एनेस्थीसिया दिया जाता है ताकि रोगी को ऑपरेशन के दौरान दर्द का आहसास न हो। अधिकांश मामलों में एनेस्थीसिया सुरक्षित होता है और कोई समस्या पैदा नहीं करता है, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं इसके साइड इफेक्ट की गुंजाइश रहती ही है। इसके प्रतिकूल प्रभाव निम्न प्रकार से हो सकते हैं- ■ मतली और उल्टी, ■ चक्कर आना, ■ उनींदापन, ■ सांस की नली की सूजन, ■ दांतों को नुकसान, ■ वोकल कॉर्ड्स को चोट, ■ धमनियों में चोट

सर्जरी में डीप वेन थ्रंबोसिस का जोखिमः डीप वेन थ्रंबोसिस और पल्मोनरी एम्बोलिस्म दोनों ही टर्म फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने वाली स्थिति लिए प्रयोग की जाती हैं। सभी सर्जरी खून के थक्कों के बनने के जोखिम को बढ़ाती हैं, लेकिन नी रिप्लेसमेंट सर्जरी जैसी आर्थोपेडिक प्रक्रियाओं में जोखिम बढ़ जाता है। आमतौर पर सर्जरी के बाद के पहले दो हफ्तों के भीतर रक्त के थक्के ज्यादा जमते हैं। इसलिए इनके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए ताकि आपातकाल की स्थिति में समय से चिकित्सकीय मदद ली जा सके।

इंप्लांट विफल हो सकता हैः कृत्रिम घुटने कई तरह से विफल हो सकते हैं, जैसे सर्जरी के बाद उनका न मुड़ पाना, दर्द बना रहना या ढीला हो जाना। घुटना ढ़ीला रह जाए तो इसे समायोजित करने की जरूरत पड़ती है।

ओस्टियोलिसिस हो सकता हैः कुछ मरीजों में इंप्लांट वाले प्लास्टिक (पॉलीथीन) के टुकड़े शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने वाले कणों को उत्पन्न कर सकते हैं। ऐसे में वाइट ब्लड सेल इन कणों पर हमला कर उन्हें पचा सकती हैं। दुर्भाग्यवश वाइट ब्लड सेल हड्डियों को भी कमजोर बना सकती है।

क्या करेंः जिन्दगी की भागदौड़ में घुटने अकसर कमजोर पड़ ही जाते हैं, इसलिए चलते-फिरते और यहां तक कि आराम के वक्त भी इनकी सेहत का ध्यान रखें। घुटनों ने यदि दर्द, सूजन या टेढ़ेपन जैसा कोई संकेत दिया है तो इसे नजरअंदाज न करें। दवाई, एक्सरसाइज और चिकित्सकीय मदद आदि विकल्प आपके घुटनों की उम्र बढ़ा सकते हैं।

बुढ़ापे से मुक्ति दिलाता है उषा पान...

काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ में रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य बताया गया है। मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध के सामान लाभप्रद बताया गया हैं। प्रातःकाल यानी सूर्योदय से पहले पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया है। यह इतना लाभप्रद है कि रोग और बुढ़ापे से मुक्ति दिला सकता है। लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी लिवर और रक्त संबंधी रोग नहीं होते और रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता है। उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल तांबे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उससे और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे। जल से भरा तांबे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए। और पानी हमेशा नीचे उकड़ू बैठकर यानी घुटनों के बल उत्कर आसान में बैठकर पीना चाहिए। ऐसे लोग जिन्हें यूरिक एसिड बढ़े होने की शिकायत है उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषिधि से कम नहीं है।

क्या है उषा पान

प्रातः काल यानी रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल, दूध इत्यादि को आयुर्वेद और भारतीय धर्म शास्त्रों में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया है। सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता है।

कब करें उषा पान

प्रातःकाल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन यानी कुल्ला इत्यादि बिना किए हुए ही पानी पीना चाहिए। कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता। ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना है।

उषा पान के फायदे

सवेरे तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने से अर्श यानी बवासीर, शोथ(सोजिश), ग्रहणी, ज्वर, पेट के रोग, बुढ़ापा, कोष्ठगत रोग, मोटापा, मूत्राघात, रक्त पित्त यानी शरीर के किसी भी मार्ग में होने वाला रक्त स्त्राव, त्वचा के रोग, कान नाक गले सिर एवं नेत्र रोग, कमर दर्द तथा अन्यान्य वायु, पित्त, रक्त और कफ, मासिक धर्म, कैंसर, आंखों की बीमारी, डायरियां, पेशाब संबंधी बीमारी, किड़नी, टीबी, गठिया, सिरदर्द आदि से संबंधित अनेक व्याधियां धीरे धीरे समाप्त हो जाती हैं।

जल की नैसर्गिक शक्ति

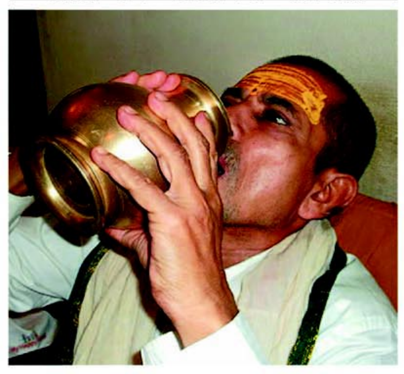

जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती है, जो रोगों का विनाश करने में समर्थ होती हैं। इसलिए जल के विविध प्रयोगों से शरीर के सूक्ष्म अति सूक्ष्म, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता है, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति और क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती है। एक कहावत हैं-प्रातः काल खाट से उठकर, पिए तुरतहि पानी। उस घर वैद्य कबहुं नहीं आए बात घाघ ने जानी।

साफ जल के नुकसान

मगर आज एक सोची समझी साजिश के तहत हमारे जल को भी अति दूषित कर दिया गया है और इसको साफ करने के लिए जो विधियां हम इस्तेमाल करते हैं वे पानी को साफ तो करती हैं मगर साथ में पानी में मौजूद मिनरल्स भी निकाल देती हैं। इसलिए जब हम पहाड़ों पर कभी जाते हैं तो वहां के पानी में बहुत बढ़िया स्वाद आता है।

इम्पोरटेंट फेक्ट्स

दिल में आक्सीजन की कमी एन्जाइना का संकेत

कंठ-शूल (एन्जाइना) सीने में होने वाला दर्द या दबाव है जो हृदय में रक्त के प्रवाह में कमी के कारण उत्पन्न होता है। आपकी बांहों, जबड़े या पीठ के ऊपरी भाग में भी दर्द महसूस हो सकता है। यह दर्द इस बात का संकेत है कि आपके हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। यह इस बात का लक्षण है कि आपको दिल का दौरा रोकने के लिए उपचार की आवश्यकता है।

कंठ-शूल के लक्षण

एन्जाइना के लक्षण काफी कुछ दिल के दौरे के लक्षणों जैसे हो सकते हैं।

- सीने, बांहों, जबड़े, कंधों या गर्दन में दर्द या दबाव, या खिंचाव अथवा भारीपन महसूस होना।
- पसीना आना।
- सांस फूलना।
- मितली या उल्टी आना।
- पेट में दर्द।
- बेहद थकान लगना, चक्कर या बेहोशी महसूस करना।

कुछ लोगों को कोई लक्षण महसूस नहीं होते। अगर आप जो कुछ कर रहे हैं उसे रोककर आराम करें तो अक्सर एन्जाइना के दर्द में आराम मिल जाता है। अगर आपके डॉक्टर ने आपको बताया है कि आपको एन्जाइना है, तो आपको दर्द होने पर दवा दी जा सकती है। इस दवा को नाइट्रोग्लिसरीन कहते हैं।

कब कराएं उपचार

एन्जाइना के लक्षण महसूस हो रहे हों और उसका उपचार करने के लिए दवा न हो। अपनी दवा ले ली हो लेकिन आपके लक्षण दूर न हो रहे हों या आपको ऐसे नए लक्षण महसूस हो रहे हों जो पहले कभी न हुए हों। आपातचिकित्सा टीम के आने तक बैठें या लेट जाएं। गाड़ी चलाकर अस्पताल न जाएं और न ही अपने डॉक्टर को फोन कर देर करें।

जरूरी सुझाव

आपको हृदय की समस्या है या नहीं यह देखने के लिए आपकी जांच की जाएगी। आपको दवाएं देनी शुरू की जा सकती हैं या आपके हृदय को रक्त प्रवाह में सुधार के लिए अन्य प्रक्रियाएं की जा सकती हैं। आपके डॉक्टर आपको कम वसा वाला भोजन करने और अपने हृदय का स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए व्यायाम करने का सुझाव भी दे सकते हैं। अगर आपके डॉक्टर नाइट्रोग्लिसरीन सुझाते हैं, तो अपने डॉक्टर के आदेश के अनुसार दवा का प्रयोग करें। अधिक जानकारी के लिए, नाइट्रोग्लिसरीन हैंडआउट मांगें।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जीएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।

मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

■ अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।

■ अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।

■ हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।

■ इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।

■ सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।

■ अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।

■ अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।

■ जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।

■ दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

फ्रूट क्रीम

सामग्री

400 ग्राम क्रीम, 100 ग्राम चीनी, 100 ग्राम सेब (कटा हुआ), 50 ग्राम अनार, 50 ग्राम पपीता(कटा हुआ), 50 ग्राम आड़ू (कटा हुआ), 50 ग्राम अनानास (कटा हुआ), 35 ग्राम बादाम (कटे हुए)

विधि

सबसे पहले एक बाऊल में क्रीम और चीनी को अच्छी तरह मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद इसमें सेब, अनार, पपीता, आड़ू, अनानास और बादाम डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसे 30 मिनट के लिए फ्रीज करें। फ्रीज करने के बाद पिस्ता और चेरी के साथ गार्निश करके सर्व करें।

रवा उत्तपम

सामग्री

1 कप रवा या सूजी, 1 छोटा चम्मच नमक, तीन चौथाई कप दही, आधा कप पानी, आधा छोटा चम्मच फ्रूट सॉल्ट, 1 छोटा टमाटर, 1 छोटा प्याज, 1 छोटी शिमला मिर्च, 2 कटी हरी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच हरा धनिया, डेढ़ बड़े चम्मच तेल

विधि

बर्तन में सूजी, नमक और दही लें, थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सभी सामग्रियों को आपस में मिला लें। मिश्रण को 10 मिनट के लिए अलग रखें। 10 मिनट बाद सूजी काफी पानी सोख लेगी, सूजी हल्की होनी चाहिए। उसमें चम्मच चलाएं, यदि जरूरत लगे तो थोड़ा पानी और मिलाएं। हरी मिर्च का डंठल हटा कर उसे अच्छे से धोकर काट लें। प्याज को धो लें और फिर इसे बारीक काट लें। टमाटर को भी छोटा-छोटा काट लें। शिमला मिर्च को बीच से दो भागों में काट लें तथा इसका डंठल और बीज हटा दें। अब शिमला मिर्च को धोकर छोटा-छोटा काट लें। सूजी के घोल में कटी हरी मिर्च, हरा धनिया, टमाटर, प्याज और शिमला मिर्च डाल कर अच्छे से मिलाएं। सूजी के मिश्रण में ईनो डालें और उसके ऊपर एक छोटा चम्मच पानी डाल कर घोल को अच्छे से एक दिशा में एक मिनट तक फेंटें। अब मध्यम आंच पर एक तवा गर्म करें और जब तवा गर्म हो जाए तो इसको गीले कपड़े या फिर किचन पेपर से पोंछ लें। एक चम्मच कटोरी में सूजी का घोल लेकर लगभग 4 इंच का उत्तपम फैलाएं। दोनों तरफ से थोड़ा तेल लगा कर इसे अच्छे से सेकें। इसमें 2-3 मिनट का समय लगता है। स्वादिष्ट और पौष्टिक उत्तपम तैयार है। सर्व करने के लिए, अब इसे सांभर और नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)